राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार 15 अक्टूबर 2024 वर्ष–7,अंक–263 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मोदी ने भारत मंडपम में पीएम गतिशक्ति अनुभूति केंद्र का किया दौरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को बिना किसी पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के प्रगति मैदान के भारत मण्डपम में पीएम गति शक्ति के अनुभूति केंद्र का दौरा किया।

पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय वृहद योजना मल्टीमॉडल परिवहन एवं यातायात क्षेत्र की परियोजनाओं के नियोजन और क्रियान्वयन के लिए एक नई पहल है ,जिसमें सभी संबंधित विभाग पूरे आंकड़ों के साथ परियोजनाओं का निर्धारण और क्रियान्वयन करते हैं इससे समय और संसाधनों की बचत हो रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने तीन साल पहले आज ही के दिन पीएम गतिशक्ति पहला लागू करने की घोषणा की थी। प्रधानमंत्री ने इसकी तीसरी वर्षगांठ पर आज भारत मंडपम में स्थापित पीएम गतिशक्ति अनुभव केंद्र का दौरा किया जिसमें इस पहल के बाद तमाम पर यह परियोजनाओं के नियोजन और क्रियान्वयन की झांकियां प्रस्तुत की गई हैं।

प्रधानमंत्री कार्यालय की विज्ञप्ति में कहा गया है किअनुभूति केंद्र पीएम गतिशक्ति की प्रमुख विशेषताओं, उपलब्धियों और मील के पत्थर को प्रदर्शित करता है।

सरकार का कहना है कि श्री मोदी ने पीएम गतिशक्ति के प्रभाव के कारण देश भर में परियोजनाओं की योजना और कार्यान्वयन में हुई प्रगति की सराहना की। उन्होंने सभी क्षेत्रों में इसे अपनाने की सराहना की, जिससे विकसित भारत के दृष्टिकोण को पूरा करने में गति मिल रही है।

प्रधानमंत्री गतिशक्ति प्रणाली के तहत अब तक 15.39 लाख करोड़ की 200 से अधिक परियोजनाओं का नियोजन और क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस अवधारणा को अब जिला स्तर पर ले जाने के लिए औद्योगिक एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईटी) पायलट परियोजनाएं शुरू कर रहा है। नेपाल और श्रीलंका ने भी प्रधानमंत्री गतिशक्ति एप्लीकेशन के उपयोग के लिए भारत सरकार के साथ करार किए हैं।

एससीओ की बैठक में शामिल होने पाकिस्तान जा रहे जयशंकर शरीफ के साथ रात का भोजन करेंगे

नई दिल्ली। विदेश मंत्री जयशंकर 15-16 अक्टूबर को पाकिस्तान में होंगे। यह पिछले एक दशक में किसी भी भारतीय विदेश मंत्री की पहली पाकिस्तान यात्रा होगी। हालांकि, भारत द्वारा उनकी पाकिस्तान यात्रा की पुष्टि करने के एक दिन बाद,

जयशंकर ने कहा कि वह पाकिस्तान के साथ भारत के संबंधों पर चर्चा करने के लिए इस्लामाबाद नहीं जा रहे हैं, बल्कि एससीओ का अच्छा सदस्य बनने के लिए जा रहे हैं। एससीओ में रूस, चीन, ईरान और 4 मध्य एशियाई देशों के अलावा भारत और पाकिस्तान भी सदस्य हैं।जयशंकर के एससीओ के हेड ऑफ स्टेट की बैठक के लिए मंगलवार शाम को पाकिस्तान पहुंचने की उम्मीद है। विदेश मंत्री यहां पाकिस्तानी पीएम शाहबाज शरीफ की तरफ से आयोजित डिनर में शामिल होंगे। यह डिनर बैठक में हिस्सा लेने आए प्रतिनिधियों के लिए होगी। हालांकि, दोनों पक्षों ने एससीओ के आयोजन के दौरान किसी भी औपचारिक द्विपक्षीय बैठक से इनकार किया है।

झारखंड में बड़ा घोटाला: मंत्री और आईएएस के करीबियों के यहां ईडी ने की छापेमारी

रांची। झारखंड में पेयजल स्वच्छता विभाग में घोटाले को लेकर ईडी ने बड़ी कार्रवाई की है। यहां के मंत्री और आईएएस के करीबियों पर शिकंजा कसते हुए करीब 20 ठिकानों पर ईडी ने छापेमारे हैं। सभी ठिकाने आईएएस मनीष रंजन और मंत्री मिथलेश ठाकुर से जुड़े हैं। बरियातू स्थित आईएएस मनीष रंजन की बहन के घर पर भी ईडी की छापामारी हुई है। आईएएस मनीष रंजन के अलावा मंत्री मिथलेश ठाकुर के पीएस हरेंद्र सिंह, मंत्री के भाई विनय ठाकुर समेत कई विभागीय इंजीनियर्स के यहां छापामारी हुई है। जल जीवन मिशन में अनियमितता से मामला जुड़ा है। झारखंड में पेयजल स्वच्छता विभाग में घोटाले को लेकर ईडी ने 20 ठिकानों पर छापामारी की है। बरियातू स्थित आईएएस मनीष रंजन की बहन के घर को ईडी खंगालने में जुटी है। इसके अलावा मंत्री मिथलेश ठाकुर के पीएस हरेंद्र सिंह मंत्री के भाई विनय ठाकुर समेत कई विभागीय इंजीनियर्स के घर पर छापामारी हुई है।

न्यायालय ने कोविड-19 रोधी टीकों के दुष्प्रभाव के आरोप वाली जनहित याचिका खारिज की

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कोविड-19 रोधी टीका लगाए जाने के कारण खून में थक्का बनने जैसे दुष्प्रभाव होने का आरोप लगाने वाली एक जनहित याचिका को सोमवार को खारिज कर दिया। भारत के प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला एवं न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि जनहित याचिका सिर्फ सनसनी फैलाने के इरादे से दायर की गई है। पीठ ने कहा, ''इस पर कार्रवाई के लिए मुकदमा दायर करें। इसका क्या उपयोग है? कृपया यह भी समझें कि अगर आप टीका नहीं लेते हैं तो इसका क्या दुष्प्रभाव होगा। हम इस मुद्दे पर सुनवाई नहीं करना चाहते, यह सिर्फ सनसनी पैदा करने के लिए है।'' प्रिया मिश्रा एवं अन्य याचिकाकर्ताओं ने यह याचिका दायर की थी।

नेवी का नया बेस कंट्रोल तैयार, समुद्र के तल में होगी खास बातचीत

-परमाणु ऊर्जा चालित पनडुब्बी आईएनएस अरिघात नौसेना में किया था शामिल

नई दिल्ली। भारत ने हाल ही में अपनी दूसरी परमाणु ऊर्जा चालित पनडुब्बी आईएनएस अरिघात नौसेना में शामिल हो गई है। इसके साथ ही नौसेना अब लंबी दूरी की गश्त पर मौजूद अपने गुप्त शिकारियों के साथ सहज कम्युनिकेशन के लिए एक नई एडवांस फैसिलिटी स्थापित कर रही है। तेलंगाना के विकाराबाद में वेरी लो फ्रीक्वेंसी कम्युनिकेशन स्टेशन की परियोजना का उद्घाटन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मंगलवार यानी 15 अक्टूबर को करेंगे। मीडिया रिपोर्ट में बताया कि रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण वीएलएफ सुविधा, जब दो-तीन सालों में पूरी तरह से चालू हो जाएगी। इसके बाद यह भारत के संपूर्ण क्षेत्र में पानी के नीचे पनडुब्बियों को चौबीसों घंटे एन्क्रिप्टेड कम्युनिकेशन कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि वीएलएफ रेडियो तरंगें, जो 3 से 30 किलोहर्ट्ज़ की फ्रीक्वेंसी बैंड में काम करती हैं, ऐसे उद्देश्यों के लिए समुद्री जल में एक निश्चित गहराई तक प्रवेश कर सकती हैं। केवल कुछ ही देशों के पास ऐसी क्षमताएं मौजूद हैं, जो लंबी दूरी की निवारक गश्त पर तैनात परमाणु पनडुब्बियों के कमांड और नियंत्रण के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं। भारत की योजना अगले साल की शुरुआत में आईएनएस अरिधमान के रूप में सात हजार टन विस्थापन के साथ तीसरे एसएसबीएन को शामिल करने की है। वही, सीक्रेट एडवांस टेक्नोलॉजी वेसल (एटीवी) परियोजना के तहत एक चौथा भी निर्माणाधीन है। रिपोर्ट के मुताबिक 13,500 टन के एसएसबीएन बनाने की भी योजना है। इसमें 190 मेगावाट के ज्यादा शक्तिशाली प्रेशराइज्ड लाइट-वाटर रिएक्टर होंगे। इसके अलावा, 9 अक्टूबर को पीएम के नेतृत्व वाली सुरक्षा पर कैबिनेट समिति ने दो परमाणु ऊर्जा चालित हमलावर पनडुब्बियों के निर्माण के लिए लंबे समय से लंबित 40 हजारा करोड़ रुपए की प्रोजेक्ट-77 को भी मंजूरी दे दी है।

16 अक्टूबर को सीएम पद की शपथ लेंगे उमर अब्दुल्ला, एलजी ने किया आमंत्रित

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिंह ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला को 16 अक्टूबर को शपथ ग्रहण के लिए आमंत्रित किया। एलजी ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि उन्हें 11 अक्टूबर को जेकेएनसी अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला का पत्र मिला था, जिसमें बताया गया था कि उमर अब्दुल्ला को सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुना गया है। एलजी के पत्र में कहा गया है, 'मुझे आपको जम्मू-कश्मीर सरकार बनाने और उसका नेतृत्व करने के लिए आमंत्रित करते हुए खुशी हो रही है।'

उमर अब्दुल्ला ने एक्स पर लिखा कि उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के प्रधान सचिव का स्वागत कर प्रसन्नता हुई। उन्होंने एलजी के कार्यालय से मुझे जम्मू-कश्मीर में अगली सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करने वाला एक पत्र सौंपा। इससे पहले जम्मू-कश्मीर से राष्ट्रपति शासन हटा लिया गया था जिससे केंद्र शासित प्रदेश में नयी सरकार के गठन का रास्ता साफ हो गया था। इस संबंध में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक राजपत्र अधिसूचना जारी की है। राज्य से राष्ट्रपति शासन हटाये जाने का विभिन्न दलों ने स्वागत किया है।

हम आपको बता दें कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा हस्ताक्षरित अधिसूचना में कहा गया है, ''भारत के संविधान के अनुच्छेद 239 और 239ए के साथ पठित जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 (2019 का 34) की धारा 73 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए, जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के संबंध में 31 अक्टूबर 2019

का आदेश, जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम 2019 की धारा 54 के तहत मुख्यमंत्री की नियुक्ति से तुरंत पहले निरस्त किया जाता है।''

हम आपको याद दिला दें कि हाल में संपन्न हुए जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन ने जीत हासिल की। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला जम्मू-कश्मीर के अगले मुख्यमंत्री होंगे। उन्हें गठबंधन का नेता चुना गया है। हम आपको याद दिला दें कि पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों--जम्मू कश्मीर और लद्दाख के रूप में विभाजित किए जाने के बाद 31 अक्टूबर 2019 को जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया था। जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 को संसद ने पांच अगस्त 2019 को पारित किया था। पूर्ववर्ती राज्य को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 को भी उसी दिन निरस्त कर दिया गया था।

दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की

दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद आतिशी की प्रधानमंत्री से यह पहली मुलाकात थी। मुख्यमंत्री ने इस मुलाकात के बाद उम्मीद जताई कि केंद्र सरकार और उनकी सरकार के बीच 'पूर्ण सहयोगात्मक संबंध' रहेगा। प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर मुलाकात की जानकारी दी।

नर्मदा और ताप्ती प्रदेश के साथ अन्य प्रदेश को भी संचित कर रही : मुख्यमंत्री यादव

सूरत (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि देश की प्रमुख नदियों का प्रदेश में मायका है। नर्मदा और ताप्ती अपने मायके अर्थात मध्यप्रदेश को आनंदित और प्रफुल्लित करती ही है, साथ ही वे गुजरात को भी धन-धान्य से परिपूर्ण कर रही है। सोन नदी का उद्गम अमरकंटक से है, जो बिहार में गंगा से मिलती हैं और गंगा की धारा को समृद्ध करती है। मध्यप्रदेश से निकलने वाली चंबल नदी राजस्थान को जीवन प्रदान करती है यह नदियां मध्यप्रदेश की जीवनदायिनी हैं।

उन्होंने कहा कि जल संचय-जन भागीदारी कार्यक्रम के मकसद की प्राप्ति के लिए प्रदेश कदम से कदम मिलाकर चलने को तैयार है। मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि पानी के लिए गुजरात में समस्या रहती है और उनकी सहायता करना हम सब का कर्तव्य है।

दरअसल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्षा जल संचयन को बढ़ाने और दीर्घकालिक जल स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए जल

संचय-जन भागीदारी-जन आंदोलन कार्यक्रम की पहल की थी। इसी कड़ी में सूरत में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र भाई पटेल, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, वरिष्ठ जन-प्रतिनिधि, केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय तथा राज्यों के अधिकारी उपस्थित थे।

सीएम डॉ. यादव ने कहा कि महादेव ने गंगा को जटाओं में धारण कर और भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत धारण कर जल संरक्षण के महत्व को दिखाता।

इसी क्रम में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश प्रगति पथ पर निरंतर अग्रसर हैं। विश्व में भारत की साख स्थापित हुई है और दुनिया के सभी देश प्रधानमंत्री मोदी से मधुर और जीवंत संपर्क और संबंध बनाने के लिए आतुर रहते हैं। भारतीय सनातन संस्कृति में जल ही जीवन है का विचार सर्वमान्य है।

मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में प्रदेश देश का पहला राज्य बना है, जहां नदी जोड़ो अभियान के तहत दो परियोजनाओं का क्रियान्वयन शुरु हो रहा है। मप्र और यूपी के बीच केन-बेतवा नदी जोड़ो अभियान और मध्यप्रदेश और राजस्थान के मध्य चंबल-पार्वती-काली सिंध लिंक परियोजनाएं शीघ्र ही मूर्त रूप लेंगी। सीएम यादव ने कहा कि प्रदेश में करीब 3 हजार 500 गांव के 13 हजार से अधिक लोगों ने संकल्प लेकर जल गंगा अभियान के अंतर्गत जल भंडारण क्षमता में वृद्धि के लिए 10 हजार से अधिक पोखर, तालाब, कुएं, बावड़ी का जीर्णोद्धार किया।

वहीं केंद्रीय जल शक्ति मंत्री पाटिल ने नदी जोड़ो अभियान में मध्यप्रदेश द्वारा प्रदान किए जा रहे सहयोग की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में नदियों के जोड़ने की परियोजना शीघ्र ही आरंभ होगी।

दाऊद के नक्शे कदम पर लॉरेंस बिश्नोई...

*** एनआईए का दावा, 700 शूटरों का 11 राज्यों में है नेटवर्क**

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या की जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली है। हत्या के बाद एनआईए भी अपना काम कर रही है। एजेंसी का दावा है कि लॉरेंस विश्नोई, दाउद इब्राहिम के नक्शे कदम पर चल रहा है। उसने 11 राज्यों में 700 शूटरों का एक विशाल नेटवर्क खड़ा किया है। एनआईए ने कम से कम 16 गैंगस्टरों के खिलाफ यूएपीए के तहत चार्जशीट फाइल की है। इसमें लॉरेंस बिश्नोई और गोल्डी बरार भी शामिल हैं। इस चार्जशीट में दावा किया गया है कि लॉरेंस बिश्नोई गैंग दाऊद इब्राहिम की डी कंपनी के रास्ते पर ही आगे बढ़ रहा है।

चार्जशीट में बताया गया कि लॉरेंस बिश्नोई और उसका टेरर सिंडिकेट नायकीय अंदाज में बढ़ा है। यह उसी तरह आगे बढ़ रहा है जैसे कि 90 के दशक में दाऊद इब्राहिम का गैंग तेजी से फैल रहा था। दाऊद इब्राहिम ने अपना नेटवर्क ड्रग्स तस्करी से बढ़ाना शुरू किया था। इसके बाद उगाही का काम शुरू हो गया। बाद में इसे डी कंपनी नाम दे दिया गया। यह गैंग पाकिस्तान के आतंकियों के साथ भी जुड़ गया। इसी तरह बिश्नोई गैंग ने भी छोटे-मोटे अपराध शुरू किए थे लेकिन अब उसका बड़ा गैंग है।एनआईए की चार्जशीट में बताया गया कि लॉरेंस बिश्नोई गैंग सतविंदर सिंह उर्फ गोल्डी बरार चलाता है जो कि कनाडा पुलिस और इंडियन एजेंसियों की लिस्ट में वॉन्टेड है। इसके अलावा बिश्नोई गैंग में 700 शूटर हैं जिनमें से 300 पंजाब के हैं। गोल्डी बरार और लॉरेंस बिश्नोई की तस्वीरें फेसबुक, इन्स्टाग्राम और यूट्यूब पर शेयर की जाती हैं। बिश्नोई को कोर्ट ले जाने की तस्वीर भी सोशल मीडिया पर पोस्ट करके युवाओं को गैंग में शामिल करने का प्रयास किया जाता है।

2021-21 के दौरान इस गैंग ने उगाही के जरिए करोड़ों रुपये इकट्ठा किए और इसे हवाला चैनल्स से विदेश भेज दिया। चार्जशीट में बताया गया के बिश्नोई गैंग ने हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान के अन्य आपराधिक गैंगों के साथ भी गठजोड़ कर रखा है। अब लॉरेंस बिश्नोई गैंग का आतंक पूरे उत्तर भारत में है जिसमें पंजाब, महाराष्ट्र, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान और झारखंड शामिल हैं। आरोप है कि बिश्नोई गैंग युवाओं को विदेश भेजने का लालच देता है। कनाडा जैसे देश की नागरिकता दिलवाने की लालच में गैंग उन्हें अपने लिए इस्तेमाल करने लगता है। एनआईए के मुताबिक खालिस्तानी आतंकवादी हरविंदर सिंह रिंडा पाकिस्तान में बिश्नोई गैंग के शूटर्स का इस्तेमाल आपराधिक गतिविधियों के लिए करता है।

निज्जर मामले में ट्रूडो के आरोपों पर सख्त हुआ भारत, कनाडा के उच्चायुक्त को किया तलब

नागपुर (एजेंसी)। ओटावा द्वारा भारतीय उच्चायुक्त और अन्य राजनयिकों पर खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की जांच से जुड़े 'रुचि के व्यक्ति' होने का आरोप लगाने के बाद भारत ने कनाडाई राजनयिक स्टीवर्ट व्हीलर को तलब किया है। व्हीलर भारत में कनाडा के उप उच्चायुक्त हैं। विदेश मंत्रालय ने कनाडा के कदम पर स्पष्टीकरण देने के लिए बुलाया है। कनाडा ने निज्जर की हत्या की जांच में भारतीय उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा को 'रुचि के व्यक्ति' के रूप में नामित किया।

भारत ने कड़े शब्दों में प्रतिक्रिया दी। भारत ने प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो पर वोटबैंक की राजनीति करने और कनाडाई धरती पर अलगाववादी तत्वों से निपटने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाने का आरोप लगाया। एक तीखे बयान में विदेश मंत्रालय ने कहा कि कनाडाई सरकार ने बार-बार अनुरोध के बावजूद निज्जर की हत्या में भारत की संलिप्तता का एक भी सबूत साझा नहीं किया। हमें कल कनाडा से एक राजनयिक संचार प्राप्त हुआ है जिसमें सुझाव दिया गया है कि भारतीय उच्चायुक्त और अन्य राजनयिक उस देश में एक जांच से संबंधित मामले में 'रुचि के व्यक्ति' हैं। भारत सरकार इन बेतुके आरोपों को दृढ़ता से खारिज करती है और उन्हें इसका श्रेय देती है। ट्रूडो सरकार का राजनीतिक एजेंडा जो वोट बैंक की राजनीति पर केंद्रित है।

प्रधान मंत्री ट्रूडो ने सितंबर 2023 में कुछ आरोप लगाए थे, हमारी ओर से कई अनुरोधों के बावजूद, कनाडाई सरकार ने भारत सरकार के साथ सबूत का एक टुकड़ा भी साझा नहीं किया है। यह नवीनतम कदम उन बातचीतों के बाद उठाया गया है जिनमें एक बार फिर बिना किसी तथ्य के दावे सामने आए हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि जांच के बहाने, राजनीतिक लाभ के लिए भारत को बदनाम करने की एक जानबूझकर रणनीति है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बेमिसाल शख्सियत डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

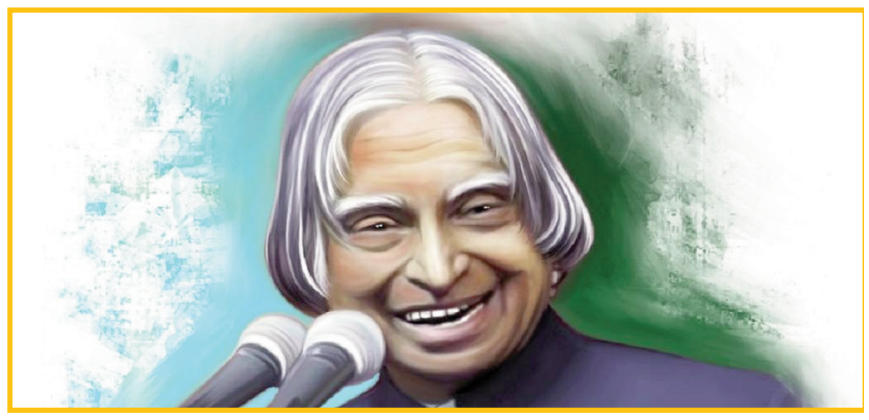

दुनिया जानती है कि डा. कलाम ने शादी नहीं की, उनकी कोई औलाद नहीं थी। लेकिन उनका बच्चों से बेशुमार प्रेम था। एक बार उनसे किसी विदेशी पत्रकार ने ऐसा ही सवाल पूछा, कि आपकी कोई संतान नहीं है, फिर भी आप बच्चों से इतना प्यार करते हैं क्यों? कलाम साहब मुस्कुराए और बडी शालीनता से बोले, मेरे तीन बच्चे हैं पृथ्वी, अग्नि और ब्रहमोस। यकीनन् राष्ट्रप्रेम और भारत को दुनिया के मानचित्र में विकसित देशों की श्रेणी में लाने का उनका प्रयास ही उनका वास्तविक प्रेम था। जिसके परिणाम स्वरूप भारत के करोड़ों बच्चों की आज भी कलाम साहब पहली पसंद हैं।

(लेखिका- नाज़ परवीन)

भारत के कलाम साहब! जिनकी शख्सियत कमाल की थी। उनका सरल स्वभाव, सादा जीवन और ऊंचे सपने देखने की ललक उन्हें वैश्विक परिदृश्य में एक अलग पहचान देती है। उनका बच्चों के बीच खुलकर विचार-विमर्श करना, उन्हें सपने देखने के लिए प्रेरित करना, उनकी जिज्ञासा को बढ़ने देना ताकि वो कुछ नया सीख पाए।

उनके सपनों को पंख देना ताकि वो अपनी उड़ान से भारत को नई बुलंदियों पर ले जाए, उनकी खुली आंखों का सपना था। कलाम साहब की ऐसी असंख्य खूबियां उन्हें बच्चों के पसंदीदा शिक्षक और युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत बनाती है। भारत की बेमिसाल शख्सियत डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का सपना भारत को आर्थिक रूप से समृद्ध और शक्तिशाली देश बनाने का था। जिसे उन्होंने अपने अंतिम समय तक पूरा करने का प्रयास किया। वो भारत के कलाम थे और पूरा भारत उनमें बसता था। सशक्त भारत का ख़्वाब बदलते भारत की तस्वीर में साफ तौर पे देखा जा सकता है। हम तरक्की के नये पायदानों को पार करते आज ब्रिटेन को पछाड़कर दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए हैं। हालाँकि बहुत से अपवाद अभी भी हैं और होंगे ही वो स्वाभाविक हैं लेकिन उन अपवादों से इतर कलाम साहब का भारत विश्व के मानचित्र पर अपनी धाक बनाये हुए है।

अब्दुल कलाम जी का जन्म तमिलनाडु में रामेश्वरम के तमिल मुस्लिम परिवार में 15 अक्टूबर 1931 को हुआ था।

डॉ.कलाम का सफर रामेश्वरम से शुरू हुआ और भारत के राष्ट्रपति के पद तक पहुचें लेकिन उनकी पहली पसंद एक टीचर बने रहना ही रही। उन्होंने अपने जीवन को एक बेहतरीन लर्नर के रूप में ढाला। दुनिया के इस बेमिसाल टीचर ने अपने जिंदगी का आखिरी लम्हा 27 जुलाई सन् 2015 को अपने देश की युवा पीढ़ी के सामने ही मुकम्मल किया।

उनके जीवन के वो आखिरी पल जब दुनिया को अलविदा कहने का वक़्त आया, देश की यादगार धरोहर की तरह कैमरे में कैद हो गए। डा. कलाम साहब का सपना था भारत को 2020 तक आत्मनिर्भर भारत के रूप में वैश्विक पहचान बनते हुए देखें भारत की आने वाली नई पीढ़ी को थमा कर चले गए कलाम साहब। कलाम साहब के रहते देश ने एक के बाद एक कई तारीखी इबारतें लिखीं।

सन् 1980 में जब रोहिणी उपग्रह भारत का पहला स्वदेश-निर्मित प्रक्षेपण यान एसएलवी-3 बना, डा. कलाम साहब बेहद खुश थे। यह देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मजबूत कदम था। भारत अन्तरराष्ट्रीय अंतरिक्ष क्लब का सदस्य बन गया। डॉ. कलाम भारत को टेक्नोलॉजी की दुनिया में आत्मनिर्भर बनाने की इबारत लिखने की तैयारियों में जुट गए। डा. कलाम ने स्वदेशी गाइडेड मिसाइल को डिजाइन किया। भारतीय तकनीक से पृथ्वी और अग्नि जैसी मिसाइलों को बनाया। भारत की सरजमीं से बेइन्तेहां मोहब्बत करने वाले भारत के इस होनहार बेटे ने भारत की सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के लिए कई सफल प्रयोग किए।

दुनिया जानती है कि डा. कलाम ने शादी नहीं की, उनकी कोई औलाद नहीं थी। लेकिन उनका बच्चों से बेशुमार प्रेम था। एक बार उनसे किसी विदेशी पत्रकार ने ऐसा ही सवाल पूछा, कि आपकी कोई संतान नहीं है, फिर भी आप बच्चों से इतना प्यार करते हैं क्यों? कलाम साहब मुस्कुराए और बडी शालीनता से बोले, मेरे तीन बच्चे हैं पृथ्वी, अग्नि और ब्रहमोस। यकीनन् राष्ट्रप्रेम और भारत को दुनिया के मानचित्र में विकसित देशों की श्रेणी में लाने का उनका प्रयास ही उनका वास्तविक प्रेम था। जिसके परिणाम स्वरूप भारत के करोड़ों बच्चों की आज भी कलाम साहब पहली पसंद हैं।

लगभग पांच वर्षो के अथक परिश्रम के फलस्वरूप जब 'अग्नि' मिसाइल का सफल परीक्षण हुआ। तब डॉ. कलाम कहते हैं कि 'अग्नि को इस नजर से मत देखो, ये सिर्फ ऊपर उठने का साधन नहीं है, न शक्ति की नुमाइश है, अग्नि एक लौ है जो हर हिन्दुस्तानी के दिलों में जल रही है। इसे मिसाइल मत समझो! यह कौम के माथे पर चमकता हुआ आग का सुनहरा तिलक है।'

डॉ. कलाम ने एक के बाद एक कई सशक्त सुरक्षा के हथियारों, मिसाइल से लेकर परमाणु परीक्षण तक में, भारत को दुनिया के परमाणु सम्पन्न देशों की श्रेणी में लाने का सफल प्रयास किया। लेकिन उनके स्वाभाव की सौम्यता इन हथियारों को आधुनिक तकनीक के साथ विकास से जोडकर देखती है। भारत हमेशा से शान्तिप्रिय देश है, दुनिया को यह बेहतर तरीके से समझाने का काम किया कलाम साहब ने। डॉ.कलाम ने अपनी बेशकीमती धरोहर के रूप में देश को कई पुस्तकें समर्पित की- इंडिया 2020 ए विजन फॉर द न्यू मिलेनियम, माई जर्नी तथा इग्नाटिड माइंड्स-अनलीशिंग द पॉवर विदिन इंडिया, विंग्स ऑफ फायर, एनविजनिंग अन एमपावर्ड नेशन - टेक्नालॉजी फार सोसाइटल ट्रांसफारमेशन आदि।

डॉ. कलाम ने सितंबर 1985 में त्रिशूल, फरवरी 1988 में पृथ्वी, मई 1989 में रूस के साथ मिलकर सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। डॉ. कलाम के इस जज्बे को सलाम करते हुए देश उन्हें मिसाइल मैन के नाम से संबोधित करता है। डॉ. कलाम को 1981 में भारत सरकार ने पद्म भूषण, 1990 में पदम् विभूषण और 1997 में देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया।

डॉ. कलाम का कहना था कि 'मेरे ख्याल से मेरे वतन के नौजवानों को एक साफ नज़रिए और दिशा की जरूरत है। वो भारत को वैश्विक परिदृश्य में विकसित देशों की श्रेणी में देखना चाहते थे। वो कहते थे 'काश! हर हिंदुस्तानी के दिल में जलती हुई लौ को पंख लग जाए और उस लौ की परवाज़ से सारा आसमान रौशन हो जाए।' कलाम साहब की बेमिसाल शख्सियत भारत के हर नौजवान की वास्तविक धरोहर है, जिसे वो सदियों सहेज के रखने का प्रयास करेगा।

हजारों साल नर्गिस अपनी बे -नूरी पे रोती है
बड़ी मुश्किल से होता है चमन में दीदा-वर पैदा।

मशहूर शायर अल्लामा इकबाल साहब ने ये शेर भले ही किसी खास शख्सियत के लिए लिखा हो लेकिन यदि यह कहें कि मौजूदा दौर में भारत रत्न डॉ. ऐ पी जे कलाम साहब पर सही साबित होता है तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी।

संपादकीय

अंतरिक्ष से निगरानी

भारत जब चारों ओर से प्रतिकूल स्थितियों से घिरता दिख रहा है, तब देश की सुरक्षा या निगरानी के लिए किया जाने वाला कोई भी इंतजाम स्वागत योग्य है। देश की सुरक्षा के मोर्चे पर यह किसी खुशखबरी से कम नहीं है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सुरक्षा संबंधी कैबिनेट समिति (सीसीएस) ने अंतरिक्ष आधारित निगरानी (एसबीएस) मिशन के तीसरे चरण को मंजूरी दे दी है। जल, थल और नभ की पूरी निगरानी के लिए किया जा रहा यह कार्य देश को गर्व की अनुभूति करा रहा है। ध्यान रहे कि इस परियोजना को रक्षा मंत्रालय में एकीकृत मुख्यालय के तहत रक्षा अंतरिक्ष एजेंसी और राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय द्वारा नियंत्रित किया जा रहा है। ऐसे सुरक्षा कार्यक्रमों को गोपनीय रखना चाहिए, पर यह हर्ष और कौतूहल का भी विषय है, इसलिए इसकी एक सीमा में रहते हुए चर्चा स्वाभाविक है। भारत एक उदार लोकतांत्रिक देश है और देश से जुड़ी बुनियादी सूचनाओं से देशवासियों को लैस करने में कोई बुराई नहीं है। आकाश में उपग्रहों का जाल बिछाकर किस तरह से देश की सुरक्षा और सूचना जरूरतों को पूरा किया जाएगा, इसके बारे में देशवासी जरूर जानना चाहेंगे। शुरुआती सूचनाओं के अनुसार, भारत सरकार निजी क्षेत्र को साथ लेकर देश के निगरानी तंत्र को मजबूत कर रही है। यह समय के अनुरूप उठाया गया कदम है। कम से कम 52 उपग्रह अंतरिक्ष में छोड़े जाएंगे, जिन पर 26,968 करोड़ रुपये तक खर्च होंगे। इसरो 21 उपग्रहों का निर्माण करेगा और 31 उपग्रह निजी कंपनियों द्वारा तैयार किए जाएंगे। यह सूचना भी आज बहुत उपयोगी हो गई है कि अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के समय साल 2001 में अंतरिक्ष आधारित निगरानी तंत्र की शुरुआत चार उपग्रहों के साथ हुई थी। उसके बाद दूसरे चरण में साल 2013 में मनमोहन सिंह की सरकार के समय छह उपग्रह छोड़ने का फैसला हुआ था, उसके बाद अब जाकर तीसरे चरण का फैसला हुआ है। इसमें एक राय यह भी है कि अंतरिक्ष से निगरानी का काम अपेक्षाकृत कम गति से हो रहा है। देश की निगरानी व संचार जरूरतों को देखते हुए इसमें और तेजी आनी चाहिए। यह समझने की बात है कि प्रतिवर्ष औसतन पांच उपग्रह निगरानी के उद्देश्य से अंतरिक्ष में प्रक्षेपित होंगे। दस साल में कुल 52 उपग्रह अंतरिक्ष की निचली कक्षा में तैनात हो जाएंगे। कोई शक नहीं कि भारत को थल, जल और नभ, तीनों ही मोर्चों पर खुद को मजबूत करना चाहिए। आज भारत के साथ दुनिया के ताकतवर देश खड़े हैं, फिर भी भारत को स्वयं अपने स्तर पर पुख्ता इंतजाम रखने चाहिए। भारत चुनौतियों से घिरा हुआ है और दुनिया की सबसे विशाल आबादी है, भारतीय जीवन अनमोल है, अत- हमें सबकी रक्षा के लिए अपने निगरानी तंत्र को मजबूत करना ही होगा। इसमें भी कोई दोराय नहीं कि हमारा निगरानी तंत्र अगर मजबूत होगा, तो हमारे पड़ोसी देशों को भी फायदा होगा। आपात स्थिति या आपदाओं के समय हम दुनिया के अन्य देशों की मदद करने में ज्यादा सक्षम होंगे। निगरानी तंत्र केवल युद्ध या अपनी रक्षा के लिए ही नहीं, बल्कि तेज, सतत और सुनिश्चित विकास के लिए भी जरूरी है। पूरी सतर्कता के साथ इस अभियान को आगे बढ़ाना चाहिए। निजी उपग्रहों को जरूर जगह मिलनी चाहिए, लेकिन सभी पर रक्षा मंत्रालय या भारत सरकार का नियंत्रण सुनिश्चित होना चाहिए, ताकि भारतीय सुरक्षा में किसी सेंध की कोई गुंजाइश न रहे।

मिसाइल मैन डॉ एपीजे अब्दुल कलाम

(लेखक- संजय गोस्वामी/ ईएमएस)

डॉ कलाम साहब को मिसाइल मैन के नाम से भी जाना जाता था. वे भारत के भारतीय गणतंत्र के ग्यारहवें निर्वाचित राष्ट्रपति थे। डॉ अब्दुल कलाम को पीपल्स प्रेजिडेंट भी कहा जाता था उनका मानना था कि श्इंतजार करने वालों को सिर्फ उतना ही मिलता है, जितना कोशिश करने वाले छोड़ देते हैं। ऐसे प्रेरणादायी शब्द से छात्रों को संबोधित करते रहते थे। एक साधारण परिवार में 15 अक्टूबर 1931 को धनुषकोडी गाँव (रामेश्वरम, तमिलनाडु) में एक मध्यमवर्ग मुस्लिम परिवार में इनका जन्म हुआ। अपनी मेहनत और बुद्धिमता से ना सिर्फ विज्ञान के क्षेत्र में प्रसिद्धि हासिल की और भारत के राष्ट्रपति पद तक का सफर तय किया बल्कि ये भी साबित किया कि अगर कोई इंसान ठान ले तो कुछ भी असंभव नहीं है। 1963 में कलाम भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान, इसरो से जुड़े और यहां भी भारत की ताकत को बढ़ाने में अपना योगदान दिया। सैटेलाइट लॉन्च वेहिकल यानीं स्ट के प्रॉजेक्ट मिशन से जुड़े। अब्दुल कलाम को मिसाइल मैन के नाम से जाना जाता है उन्होंने अपनी मेहनत और क्षमता के दम पर भारत को वो शक्ति दी जिससे भारत अपनी धाक दुनिया के सामने जमा सका। 1982 में कलाम रक्षा अनुसंधान विकास संगठन, क्क् से जुड़े और उनके नेतृत्व में ही भारत ने नाग, पृथ्वी, आकाश, त्रिशूल और अग्नि जैसे मिसाइल विकसित किए। इन्होंने भारत रत्न, भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान सहित कई प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त किये। उनके भाषणों में कम से कम एक कुरल का उल्लेख अवश्य रहता था। राजनीतिक स्तर पर कलाम की चाहत थी कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की भूमिका विस्तार हो और भारत ज्यादा से ज्याद महत्वपूर्ण भूमिका निभाये। भारत को महाशक्ति बनने की दिशा में कदम बढाते देखना उनकी दिली चाहत थी। उन्होंने कई प्रेरणास्पद पुस्तकों की भी रचना की थी और वे तकनीक को भारत के जनसाधारण तक पहुँचाने की हमेशा वकालत करते रहे थी। बच्चों और युवाओं के बीच डाक्टर कलाम अत्यधिक लोकप्रिय थे। वह भारतीय अन्तरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के कुलपति भी थे।ष्ट्रपति पद से सेवामुक्त होने के बाद डॉ कलाम शिक्षण, लेखन, मार्गदर्शन और शोध जैसे कार्यों में व्यस्त रहे और भारतीय प्रबंधन संस्थान, शिल्लोंग, भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद, भारतीय प्रबंधन संस्थान, इंदौर, जैसे संस्थानों से विजिटिंग प्रोफेसर के तौर पर जुड़े रहे। इसके अलावा वह भारतीय विज्ञान संस्थान बैंगलोर के फेलो, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी, थिरुवनन्थपुरम, के चांसलर, अन्ना यूनिवर्सिटी, चेन्नई, में एयरोस्पेस इंजीनियरिंग के प्रोफेसर भी रहे।उन्होंने आई. आई. आई. टी. हैदराबाद, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी और अन्ना यूनिवर्सिटी में सूचना प्रौद्योगिकी भी पढाया था।कलाम हमेशा से देश के युवाओं और उनके भविष्य को बेहतर बनाने के बारे में बातें करते थे। इसी सम्बन्ध में उन्होंने देश के युवाओं के लिए फ्व्हाट कैन आई गिव' पहल की शुरुआत भी की जिसका उद्देश्य भ्रष्टाचार का सफाया है। देश के युवाओं में उनकी लोकप्रियता को देखते हुए उन्हें 2 बार

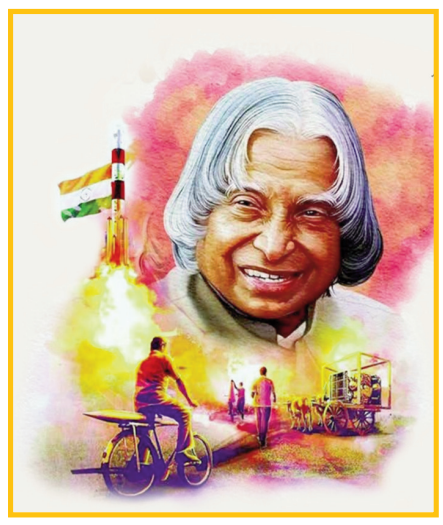

(2003 - 2004) 'एम.टी.वी. यूथ आइकॉन ऑफ़ द इयर अवार्ड' के लिए मनोनित भी किया गया था।वर्ष 2011 में प्रदर्शित हुई हिंदी फिल्म 'आई ऍम कलाम' उनके जीवन से प्रभावित है। डॉ एपीजे अब्दुल कलाम ने विंग्स ऑफ फायर, इग्नाइटेड माइंड्स, इंडिया 2020 जैसी कई मशहूर और प्रेरणा देने वाली किताबें लिखी हैं। जो खासकर छात्रों को प्रेरित करती रही।इन्होंने 1974 में भारत द्वारा पहले मूल परमाणु परीक्षण के बाद से दूसरी बार 1998 में भारत के पोखरान-द्वितीय परमाणु परीक्षण में एक निर्णायक, संगठनात्मक, तकनीकी और राजनैतिक भूमिका निभाई! सपने वो नहीं होते जो रात को सोने समय नींद में आये, सपनें वो होते हैं जो रातों में सोने नहीं देते। ऐसे दमदार विचार रखने वाले भारत के पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम अब इस दुनिया में नहीं रहे। 27 जुलाई 2015 की शाम डॉ अब्दुल कलाम भारतीय प्रबंधन संस्थान शिलोंग में श्रहने योग्य ग्रह पर एक व्याख्यान दे रहे थे जब उन्हें जोरदार कार्डियक अरेस्ट (दिल का दौरा) हुआ और ये बेहोश हो कर गिर पड़े। लगभग 6-30 बजे गंभीर हालत में इन्हें बेथानी अस्पताल में आईसीयू में ले जाया गया और दो घंटे के बाद इनकी मृत्यु की पुष्टि कर दी गई।जिसके बाद करोड़ों लोगों के प्रिय और चहेते डॉ अब्दुल कलाम परलोक सिधार गए।

(चिंतन-मनन)

द्वंद्व के बीच शांति की खोज

केवल ज्ञान की बातें करों। किसी व्यक्ति के बारे में दूसरे व्यक्ति से सुनी बातें मत दोहराओ। जब कोई व्यक्ति तुम्हें नकारात्मक बातें कहे, तो उसे वहीं रोक दो, उस पर वास भी मत करो। यदि कोई तुम पर कुछ आरोप लगाये, तो उस पर वास न करो। यह जान लो कि वह बस तुम्हारे बुरे कर्मो को ले रहा है और उसे छोड़ दो। यदि तुम गुरु के निकटतम में से एक हो तो संसार के सारे आरोपों को हंसते हुए ले लोगे। द्वद्व संसार का स्वभाव है और शांति आत्मा का स्वभाव है। द्वद्व के बीच शान्ति की खोज करो। द्वद्व समाप्त करने की चेष्टा द्वद्व को और ज्यादा बढ़ाती है। आत्मा की शरण में आकर विरोध के साथ रहो। जब शान्ति से मन ऊबने लगे तो सांसारिक क्रिया-कलापों का मजा लो। और जब इनसे थक जाओ तो आत्मा की शान्ति में आ जाओ। यदि तुम गुरु के करीब हो, तो दोनों क्रिया कलाप साथ-साथ करोगे। ईश्वर व्यापक हैं। और अन्नत काल से ईश्वर सभी विरोधों को संभालते आए हैं। यदि ईश्वर सारे विरोधों को ले सकते हैं, तो निश्चित ही तुम भी ऐसा कर सकते हो। जैसे ही तुम विरोध के साथ रहना स्वीकार कर लेते हो, विरोध स्वत- समाप्त हो जाता है। शान्ति चाहने वाले लोग लड़ना नहीं चाहते और इसके विपरीत लड़ाई करने वाले शान्ति पसन्द नहीं करते। शान्ति चाहने वाले लड़ाई से बचना चाहते हैं। आवश्यक यह है कि मन को शांत करें और फिर लड़ें। गीता की यही मूल शिक्षा है। कृष्ण अजरुन को उपदेश देते हैं कि अजरुन युद्ध करो मगर हृदय को शान्त रखकर। संसार में जैसे ही तुम एक विरोध को समाप्त करते हो तो दूसरा खड़ा हो जाता है। उदाहरण के लिए जैसे ही रूस की समस्या समाप्त हुई, बोस्निया की समस्या खड़ी हो गई। एक समस्या हल होती है, तो दूसरी शुरू हो जाती है। तुम्हें जुकाम हुआ। वह जरा ठीक हुआ नहीं कि फिर कमर में दर्द शुरू हो गया। फिर यह ठीक हो गया। और तो और, शरीर ठीक ठाक है तो मन अशान्त हो जाता है। बिना किसी इरादे के गलतफहमियां पैदा होती हैं, उलझन पैदा होती है। यह तुम्हारे ऊपर नहीं कि तुम उनका समाधान करो। तुम तो बस उन पर ध्यान न दो, बस जीवन्त रहो।

विचार मंथन

दिखावे और गैर जरूरी खर्च से बचें, बचत पर ध्यान दें

(लेखक- सनत जैन)

आज के दौर में दिखावे पर खर्च करना निम्न और मध्यम वर्ग में बड़ी तेजी के साथ बढ़ गया है। दिखावे के लिए कर्ज लेकर खर्च करने की प्रवृत्ति बड़ी तेजी के साथ बढ़ी है। पिछले कुछ वर्षों में गैर जरूरी खर्च लोग दिखावे के लिए कर रहे हैं। हवाई जहाज और ट्रेनों में आसानी से टिकट उपलब्ध नहीं हो रहे हैं। मध्यवर्ग के लोग हैसियत नहीं होने के बाद भी हवाई यात्रा कर रहे हैं। रेलवे में एसी पर यात्रा करना आज-कल दिखावे के रूप में निम्न मध्यमवर्गीय परिवारों में किया जा रहा है। यात्रा के दौरान टिकट से कई गुना ज्यादा पैसा ब्रांडेड सामग्री को खरीदने और खाने-पीने की चीजों में खर्च किया जा रहा है। एयरपोर्ट में कई गुने दामों में बिकने वाले सामान पर काफी पैसा खर्च किया जा रहा है। निम्न एवं मध्यम वर्ग के बीच में ब्रांडेड महंगी चीजों पर खर्च करना स्टेटस सिंबल बन गया है। वह भी उनके सामने जिन्हें वह जानते भी नहीं हैं। सोचने वाली बात है, कि इस तरह की फिजूलखर्ची के पीछे युवा वर्ग बड़ी तेजी से पैसे खर्च कर रहा है। छोटी-छोटी बचत से बड़ी रकम को बचाया जा सकता है। ऑनलाइन खरीदी की लत युवा वर्ग को बड़ी तेजी के साथ लगती चली जा रही है। मोबाइल फोन पर नई-नई चीज देखकर उन्हें खरीदने की आदत युवा वर्ग में नशे की तरह बढ़ती चली जा रही है। ऑनलाइन खरीदे गए सामान उनके लिए कितने उपयोगी हैं, कितने गैरजरूरी हैं, इसकी समझ भी उन्हें नहीं है। सबसे बड़े आश्चर्य की बात यह है कि कर्ज लेकर खर्च करना आज-कल के युवाओं का स्टेटस सिंबल बन गया है।

आज की युवा पीढ़ी यह भूल गई कि उनके अपने परिवार के बुजुर्ग अपने समय में हमेशा जरूरत की चीजों पर ध्यान केंद्रित करते थे। वही चीज खरीदते थे, जो उनके लिए उपयोगी और जरूरी होती थीं। खर्चे में वो कभी कोई कमी नहीं करते थे, लेकिन जरुरत के लिहाज से ही खरीदी होती थी। बगैर जरुरत की चीजों में पैसा नहीं फेंका जाता था। अपनी आय के अनुरूप जरूरी खर्चों के बाद बचत करने पर विशेष रूप से ध्यान देते थे। यही नहीं हमारे बुजुर्ग कभी भी किसी के सामने अपनी आर्थिक स्थिति का भान होने नहीं देते थे। इन सब बातों के विपरीत आज का युवा वर्ग दिखावे की मानसिकता के चलते खर्चों पर नियंत्रण नहीं रख पाते हैं। बजाय इसके युवा वर्ग को प्राथमिकता के अनुसार ही खर्च करना चाहिए। दिखावे के लिए ब्रांडेड महंगे प्रोडक्ट्स खरीदने से हमारी सामाजिक स्थिति में कोई परिवर्तन नहीं आता है। उल्टे आज का युवा वर्ग कर्ज के जाल में फंसता जा रहा है। स्टेटस सिंबल को लेकर वह मानसिक रूप से हमेशा परेशान रहता है। युवाओं में बचत करने की कोई प्रवृत्ति नहीं है।

आय और व्यय के बीच में संतुलन नहीं होने से बचत नहीं होती और इस कारण जब आकस्मिक कोई जरुरी खर्च करने की परिस्थिति सामने आती है तब यह युवा वर्ग बहुत परेशान हो जाता है। ऐसे में उसे कुछ सूझता नहीं है और कर्ज पर कर्ज लेकर अपनी जरुरतों को पूरा करने पर विवश हो जाता है। ऐसा करने से उसकी आगे की जिंदगी भी परेशानी में उलझती चली जाती है। नेक सलाह तो यही है कि गैरजरुरी खर्चों से युवा पीढ़ी को बचना चाहिए और बचत की ओर विशेष ध्यान देना चाहिए। युवाओं को यह नहीं भूलना चाहिए कि स्टेटस सिंबल के चक्कर में किए जाने वाले खर्च से चंद मिनट तो सुख मिल सकता है, लेकिन लंबे समय के लिए यह किसी काम का नहीं होता है। इसलिए इससे बचना चाहिए और हर बात को स्टेटस सिंबल से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। युवा मध्यम वर्ग और निम्न वर्ग को स्टेटस सिंबल को लेकर एक क्षणिक संतोष तो हो सकता है, लेकिन इससे आगे फिर उनको परेशानी और मानसिक प्रताड़ना का शिकार होना पड़ता है। युवाओं के साथ ही निम्न एवं मध्यम वर्गीय परिवारों को यह समझने की जरूरत है।

खुलने से पहले ही देश के सबसे बड़े आईपीओ में आई गिरावट

मुंबई । कार निर्माता कंपनी हुंडई मोटर इंडिया देश का सबसे बड़ा आईपीओ लाने जा रही है, जिसका इश्यू साइज 27,870.16 करोड़ रुपए है। यह आईपीओ 15 अक्टूबर से लेकर 17 अक्टूबर तक निवेश के लिए खुला रहेगा। इस दौरान निवेशक इसके लिए बोली लगा सकेंगे। कंपनी इस आईपीओ के तहत कोई फ्रेश शेयर जारी नहीं करेगी। कुल 14.22 करोड़ शेयर जारी होंगे। ये शेयर ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के तहत जारी किए जाएंगे। इस आईपीओ को ग्रे मार्केट में अच्छा रिस्पॉन्स नहीं मिल रहा है। प्राइज बैंड की घोषणा के बाद से इसका ग्रे मार्केट प्रीमियम (जीएमपी) लगातार गिर रहा है। 9 अक्टूबर को इसका जीएमपी 175 रुपए था लेकिन अब यह घटकर 65 रुपए रह गया है, जो यह दिखाता है कि यह 3.83 फीसदी प्रीमियम पर 2035 रुपए पर लिस्ट हो सकता है। ऐसी स्थिति में इसे फ्लैट लिस्टिंग माना जाएगा।

एलआईसी ने पॉलिसी के नियम बदले, योजना में एंट्री उम्र घटाई!

नई दिल्ली । देश की प्रमुख बीमा कंपनी जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने अपने न्यू एंडोमेंट प्लान में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। अब इस योजना में एंट्री की उम्र 55 वर्ष से घटाकर 50 वर्ष कर दी गई है, जो उम्रदराज लोगों के लिए काफी नुकसानदेह साबित हो सकता है। इसके अलावा प्रीमियम में भी वृद्धि की गई है, जो कि 1 अक्टूबर, 2024 से लागू होगी। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि उम्र बढ़ने के साथ मृत्यु की संभावना के कारण कंपनी अपने जोखिम को कम करना चाहती है। एक रिपोर्ट के अनुसार लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ने नए सरेंडर नियम भी लागू किए हैं। एलआईसी का न्यू एंडोमेंट प्लान-914 न सिर्फ आपको सुरक्षा कवर देता है बल्कि यह सेविंग प्लान भी है। इसमें मृत्यु और परिपक्वता के लाभ एक साथ मिल जाते हैं। एंडोमेंट प्लान वाली इंश्योरेंस पॉलिसी में आपको लाइफ कवर के साथ ही मैच्योरिटी बेनिफिट भी मिलते हैं। इसके चलते पॉलिसी के दौरान व्यक्ति की मृत्यु हो जाने पर परिवार को भुगतान किया जाता है। साथ ही मैच्योरिटी पर अलग लाभ मिलते हैं। हालांकि, हालिया बदलावों के बारे में एलआईसी ने अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है।

6 जी की दौड़ में आगे बढ़ रहा भारत

नई दिल्ली । भारत 6जी प्रौद्योगिकी के पेटेंट की होड़ में तेजी से आगे बढ़ रहा है। अलग-अलग अध्ययनों के आधार पर भारत इस मामले में दुनिया में चौथे से छठे स्थान पर है। दिल्ली एशिया में 15 अक्टूबर से पहली बार में विश्व दूरसंचार मानकीकरण असेंबली (डब्ल्यूटीएसए) की मेजबानी कर रहा है और यह 6जी के लिए मानक निर्धारण में इसके प्रभाव और भूमिका को निर्धारित कर सकती है। यह सम्मेलन 190 देशों के प्रतिनिधियों को 6जी, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई), बिग डेटा जैसी महत्त्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों के लिए भविष्य के मानक पर चर्चा करने का मंच प्रदान करेगा। सम्मेलन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। भारत का लक्ष्य आईपी का प्रमुख प्रदाता बनना और किफायती 6जी समाधान उपलब्ध कराना है। वैश्विक आईपी प्रबंधन सेवाओं के लिए पेटेंट तथा ट्रेडमार्क लाइफ साइकल- मैक्सवेल के आंकड़ों के अनुसार भारत 188 6जी पेटेंट के साथ दुनिया में छठे स्थान पर है। चीन 6,001 पेटेंट के साथ सबसे आगे है जबकि दूसरे स्थान पर 3,909 पेटेंट के साथ अमेरिका का कब्जा है। इसके बाद दक्षिण कोरिया (1,417), जापान (584) और यूरोपीय संघ (214) का स्थान आता है। ब्रिटेन (151), जर्मनी (84), स्वीडन (74) और फ्रांस (73) 6जी पेटेंट के मामले में भारत से पीछे हैं। ब्रिटेन के एक अध्ययन के अनुसार पिछले साल अप्रैल में भारत 265 पेटेंट के साथ चौथे नंबर पर था। इससे ऊपर चीन (4,604), अमेरिका (2,229) और दक्षिण कोरिया (760) थे। आंकड़ों से स्पष्ट है कि भारत की स्थिति तेजी से बदली है। अगस्त 2021 में जापान के निक्केई और साइबर क्रिएटिव इंस्टीट्यूट द्वारा किए गए एक अध्ययन में बताया गया कि 6जी पेटेंट में चीन की हिस्सेदारी सबसे अधिक 40.3 फीसदी थी। वहीं 35.5 फीसदी के साथ अमेरिका दूसरे स्थान पर था।

भारत में चीन से घटिया स्टील हो रहा डंप.....मोदी सरकार सतर्क

नई दिल्ली ।

भारत सरकार चीन से आ रहे घटिया स्टील के आयात को देखकर सख्त गुणवत्ता मानकों को कठोर करने पर काम कर रही है। भारत का यह निर्णय अक्टूबर की शुरुआत में इस्पात मंत्रालय की तरफ से किए गए एक विस्तृत समीक्षा के बाद लिया गया है। समीक्षा में ग्लोबल लेवल पर ट्रेड डायवर्जन की वजह से इस क्षेत्र पर बढ़ते खतरे को उजागर किया गया था। चालू वित्त वर्ष (25) के पहले पांच माह में, भारत स्टील का शुद्ध आयातक बन गया है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस अवधि में देश ने 3.45 मिलियन टन (एमटी) स्टील का आयात किया, जबकि 1.92 एमटी का निर्यात हुआ। आयात में यह बढ़ोतरी वैश्विक उत्पादकों की तरफ से नए बाजारों की तलाश के कारण हुई है।

ग्लोबल प्रोड्यूसर्स इसलिए नए बाजारों की तलाश कर रहे हैं क्योंकि अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) ने टैरिफ बढ़ाया है और इस दौरान मांग भी कमजोर हुई है। इसके चलते भारत में स्टील डंपिंग का जोखिम बढ़ गया है।

मोदी सरकार का गुणवत्ता जांच को कड़ा करने का उद्देश्य स्टील आयात की बाढ़ को रोकना है। वर्तमान में, कई स्टील ग्रेड को इस्पात मंत्रालय की तरफ से जारी 'नो-ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट' (एनओसी) के आधार पर आयात की अनुमति मिलती है, भले ही पहले से गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) लागू हों। हालांकि, अब अधिकारियों का कहना है कि आगे से केवल उन्हीं स्टील ग्रेड्स के लिए एनओसी दी जाएगी, जिनका स्थानीय उत्पादन नहीं होता।

इससे इसतरह के स्टील का आयात रुकने की उम्मीद है जो भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के अनुरूप नहीं है। इस्पात मंत्रालय ने 151 क्यूसीओ के तहत 1,279 स्टील ग्रेड के लिए मानदंड जारी किए हैं, लेकिन 1,127 ग्रेड्स को एनओसी के साथ आयात की अनुमति दी गई है।

कई राज्यों में घटे पेट्रोल-डीजल के भाव

नई दिल्ली । भारतीय ऑयल मार्केटिंग कंपनियां वै श्विक बाजार में क्रूड ऑयल के आधार पर कीमतों की समीक्षा के बाद हर रोज पेट्रोल और डीजल के भाव तय करती हैं। जिसके बाद हर सुबह सरकारी तेल कंपनियों पेट्रोल और डीजल के नए रेट अपडेट करती है। बता दें कि यूपी हो या दिल्ली, सब जगह पेट्रोल डीजल के भाव अलग होते हैं। ऐसे ही तेल कंपनियों ने सोमवार को पेट्रोल-डीजल की नई दरें जारी कर दी है। राज्य स्तर पर बात करें तो सोमवार को महाराष्ट्र में पेट्रोल के दाम 49 पैसे घटकर 104.27 रुपये प्रति लीटर और डीजल 45 पैसे घटकर 90.81 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। वहीं यूपी में पेट्रोल 23 पैसे घटकर 94.47 रुपये प्रति लीटर और डीजल 26 पैसे घटकर 87.53 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। इसके अलावा छत्तीसगढ़, हरियाण, हिमाचल, झारखंड, मणिपुर और राजस्थान में भी पेट्रोल-डीजल के दाम घट गए हैं। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर और चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर है।

यात्री वाहनों की थोक बिक्री एक प्रतिशत घटी

नई दिल्ली । सितंबर में देश में यात्री वाहनों की थोक बिक्री सालाना आधार पर एक प्रतिशत घटकर 3,56,752 यूनिट रही। सितंबर, 2023 में कंपनियों ने डीलर को कुल 3,61,717 गाड़ियां भेजी थीं। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने कहा कि हालांकि, कुल दोपहिया वाहनों की बिक्री सितंबर में सालाना आधार पर 16 प्रतिशत बढ़कर 20,25,993 यूनिट रही। पिछले साल सितंबर में यह 17,49,794 यूनिट थी। सियाम ने कहा कि कुल तिपहिया वाहनों की थोक बिक्री सालाना आधार पर सात प्रतिशत की वृद्धि के साथ 79,683 यूनिट हो गई, जो सितंबर 2023 में 74,671 यूनिट थी।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 592 अंक , निफ्टी 163 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ । बाजार में ये तेजी दूनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही लिवावी हावी रहने से आई है। वहीं इससे पहले के अंतिम कारोबारी दिन बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। वहीं आज दोनों प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी उछलकर बंद हुए। इसके अलावा वित्तीय और आईटी स्टॉक्स के शेयरों में भी बढ़त रहीं। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 0.73 फसदी या 591.69 अंक ऊपर आकर 81,973.05 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी भी 0.66 फीसदी तकरीबन 163.70 अंक ऊपर आकर 25,127.95 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में टेक महिंद्रा का शेयर सबसे ज्यादा 2.86 फीसदी बढ़ा। इस दौरान एचडीएफसी बैंक, एलएंडटी, आईटीसी, इंडसइंड बैंक, कोटक बैंक, इन्फोसिस, एचसीएल टेक, आईसीआईसीआई बैंक और महिंद्रा के शेयर लाभ के साथ ही उछले हैं।

वहीं दूसरी ओर मारुति का शेयर 1.85 फीसदी नीचे आया। इसके अलावा टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, अल्ट्रा सीमेंट,नेस्ले इंडिया, टीसीएस और टाटा मोटर्स के शेयर भी नीचे आये। निवेशकों का ध्यान अब सितंबर के घरेलू मुद्रास्फीति आंकड़ों पर रहेगा। यह आंकड़े तय करेंगे कि केंद्रीय बैंक आरबीआई ब्याज दरों में कितनी कमी करेगा। निवेशक ब्याज दरों में संभावित कटौती के संकेतों पर नजर गड़ाए हुए हैं और सतर्क रुख अपना रहे हैं।

बाजार जानकारों के अनुसार कंपनियों के दूसरी तिमाही के परिणाम कमजोर रहने और तेल की कीमतों में गिरावट के बीच ही भारतीय बाजार आईटी और फाइनेंशियल सेक्टर खरीदारी से ऊपर आया है। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की तेजी के साथ शुरुआत शुरुआत हुई। बीएसई सेंसेक्स 210.37 अंक बढ़कर 81,591.73 पर खुला। वहीं दूसरी तरफ निफ्टी-50 59.20 अंक की तेजी के साथ 25,023 पर कारोबार कर रहा था। वहीं पिछले कारोबारी सत्र शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार में गिरावट दर्ज की गई थी।

महंगी सब्जियों ने बिगाड़ दिया अर्थव्यवस्था और रसोई का पूरा गणित

नई दिल्ली ।

महंगी सब्जियों ने अर्थव्यवस्था के साथ महिलाओं की रसाई का गुणा-गणित बिगाड़ दिया है। दरअसल खाद्य वस्तुओं, खासकर सब्जियों के महंगे होने से थोक मूल्य महंगाई (डब्ल्यूपीआई) सितंबर में बढ़कर 1.84 प्रतिशत हुई। मोदी सरकार की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों में इसकी जानकारी दी गई। अगस्त में थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति 1.31 प्रतिशत थी। पिछले साल सितंबर में यह 0.07 प्रतिशत घटी थी। खाद्य मुद्रास्फीति सितंबर में बढ़कर 11.53 प्रतिशत हो गई, जबकि अगस्त में यह 3.11 प्रतिशत थी। आलू और प्याज की मुद्रास्फीति सितंबर में क्रमशः 78.13 और 78.82 प्रतिशत के साथ शीर्ष पर रही। ईंधन और बिजली श्रेणी में सितंबर में 4.05 प्रतिशत की अपस्फीति देखी गई, जबकि अगस्त में 0.67 प्रतिशत की अपस्फीति हुई थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने कहा, सितंबर, 2024 में मुद्रास्फीति की सकारात्मक दर मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों, खाद्य उत्पादों, अन्य विनिर्माण, मोटर वाहनों, ट्रेलरों और अर्ध-ट्रेलरों के निर्माण, मशीनरी और उपकरणों के निर्माण आदि की कीमतों में वृद्धि के कारण है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) मौद्रिक नीति तैयार करते समय मुख्य रूप से खुदरा मुद्रास्फीति को ध्यान में रखता है।

रोजाना की जरूरत वाले सामानों की महंगाई दर 2.42 प्रतिशत से बढ़कर 6.6 प्रतिशत हो गई। खाने-पीने की चीजों की महंगाई 3.26 प्रतिशत से बढ़कर 9.47 प्रतिशत रही। फ्यूल

और पावर की थोक महंगाई दर -0.67 प्रतिशत से घटकर 4.05 प्रतिशत रही। मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स की थोक महंगाई दर 1.22 प्रतिशत से घटकर 1 प्रतिशत रही। थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहने से ज्यादातर प्रोडक्टिव सेक्टर पर इसका बुरा असर पड़ता है। अगर थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक ऊंचे स्तर पर रहता है, तब प्रोड्यूसर इसका बोझ कंज्यूमर्स पर डाल देते हैं।

रुपया बढ़त के साथ बंद

नई दिल्ली । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया पांच पैसे की तेजी के साथ ही 84.05 पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि विदेशी पूंजी का काफी अधिक बहिर्गमन हुआ है और कच्चे तेल की कीमतों में लगभग 10 फीसदी वृद्धि हुई है। वहीं भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के हस्तक्षेप और रिकॉर्ड उच्च भंडार के कारण स्थानीय मुद्रा को निचले स्तरों पर समर्थन मिला है। आज अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया शुरुआती कारोबार में 84.06 प्रति डॉलर पर खुला और फिर शुरुआती सौदों यह 84.05 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले पांच पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 12 पैसे टूटकर 84.10 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.13 फीसदी की बढ़त के साथ 103.02 पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 1.21 फीसदी की बढ़त के साथ 78.08 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा।

विदेश से पैसा भेजने में लगने वाले समय और लागत कम करना जरूरी: दास

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने सोमवार को कहा कि विदेशों से धन भेजने में लगने वाले समय और लागत को कम करने की जरुरत है। उन्होंने कहा कि विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए यह महत्वपूर्ण है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि नई प्रौद्योगिकी और भुगतान प्रणाली का उपयोग सीमा पार भुगतान में तेजी लाने और विस्तार के लिए किया जा सकता है। दास ने सेंट्रल बैंकिंग एट क्रॉसरोड्स विषय पर आयोजित सम्मेलन के दौरान कहा कि भारत सहित कई उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए सीमा पार पीयर-टू-पीयर (पी2पी) भुगतान की संभावनाओं को तलाशने के लिए धन प्रेषण पहला कदम है। हमारा मानना है कि इस तरह के धन प्रेषण की लागत और समय को काफी कम करने की अपार संभावनाएं हैं। डॉलर, यूरो और पाउंड जैसी प्रमुख व्यापारिक मुद्राओं में लेनदेन निपटाने के लिए वास्तविक समय सकल निपटान (आरटीजीएस) के विस्तार की व्यवहार्यता द्विपक्षीय या बहुपक्षीय व्यवस्था के माध्यम से तलाशी जा सकती है। उन्होंने कहा कि भारत और कुछ अन्य अर्थव्यवस्थाओं ने द्विपक्षीय और बहुपक्षीय दोनों तरीकों से सीमा पार तीव्र भुगतान प्रणालियों के संपर्क का विस्तार करने के प्रयास पहले ही शुरू कर दिए हैं। आरबीआई की ओर से शुरू किए गए ई-रूपी पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें कुशल सीमा पार भुगतान की सुविधा प्रदान करने की क्षमता है। आगे बढ़ते हुए, मानकों और अंतर-संचालन में सामंजस्य सीबीडीसी को सीमा पार भुगतान और क्रिप्टोकरेंसी से जुड़ी गंभीर वित्तीय स्थिरता चिंताओं को दूर करने में सक्षम बनाएगा। आरबीआई गवर्नर ने बैंकिंग क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दुरुपयोग पर भी चिंता जताते हुए कहा कि इससे साइबर हमले और आंकड़ों के लीक होने का खतरा बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों को इन सभी जोखिमों के खिलाफ पर्याप्त जोखिम उपाय करने चाहिए। बैंकों को एआई और बिगटेक फायदों का लाभ उठाना चाहिए।

इंडियन ओवरसीज बैंक ने विभिन्न शहरों में आठ खुदरा ऋण प्रसंस्करण केंद्र खोले

नई दिल्ली ।

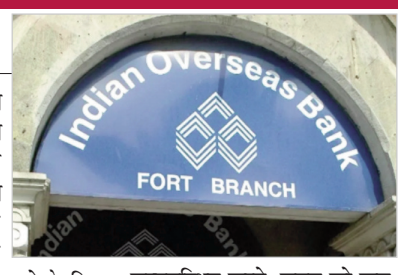

सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन ओवरसीज बैंक ने कर्ज मंजूरी प्रक्रिया को बेहतर बनाने और इसमें लगने वाले समय को कम करने के लिए विभिन्न शहरों में खुदरा ऋण प्रसंस्करण केंद्र शुरू किया है। बैंक ने एक बयान में कहा कि कुल आठ खुदरा ऋण प्रसंस्करण केंद्र (आरएलपीसी) खोले गये हैं। इसमें से चेन्नई में एक केंद्र का भौतिक रूप से उद्घाटन किया गया, जबकि सात अन्य आरएलपीसी विभिन्न शहरों में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शुरू किए गए। इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हमारे नए खुदरा कर्ज प्रसंस्करण केंद्र सिर्फ सुविधा के बारे में नहीं हैं। यह एक स्मार्ट, ज्यादा लचीला बैंकिंग ढांचा बनाने के बारे में है। डिजिटल उपकरण और उन्नत आंकड़ों का इस्तेमाल करके हम मजबूत जोखिम प्रबंधन सुनिश्चित कर रहे हैं और साथ ही कर्ज प्रसंस्करण समय को भी काफी कम कर रहे हैं। उन्होंने एक बयान में कहा कि खुदरा ऋण प्रसंस्करण केंद्र को ऋण स्वीकृति प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने, समय को कम करने और खुदरा ग्राहकों को तीव्र और अधिक कुशल सेवाएं प्रदान करने के लिए डिजायन किया गया है। इंडियन ओवरसीज बैंक ने बेंगलुरु, कोयंबटूर, दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता, लखनऊ और मुंबई में खुदरा कर्ज प्रसंस्करण केंद्र शुरू किया है। प्रत्येक केंद्र डिजिटल प्रौद्योगिकियों और स्वचालन क्षमताओं से लैस है, जिससे त्वरित ऋण स्वीकृति सुनिश्चित होती है। ये सुविधाएं वित्तीय पहुंच को बढ़ाने और खुदरा क्षेत्र में बैंक की वृद्धि रणनीति का समर्थन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। बैंक ने शहर के लोकप्रिय स्थलों में से एक पुरात्ची थलाइवर डॉ. एमजीआर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर अपने एटीएम कियोस्क भी शुरू किया। उन्होंने कहा कि यह एटीएम महज एक सेवा केंद्र नहीं है, यह परंपरा के साथ नवाचार के सम्मिश्रण के प्रति आईओबी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

जेरोधा को-फाउंडर्स ने अत्यधिक नियमों पर जताई चिंता

नई दिल्ली ।

भारत की तीसरी सबसे बड़ी स्टॉक ब्रोकिंग कंपनी ज़ेरोधा के को-फाउंडर्स नितिन और निखिल कामथ देश में इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए स्टार्टअप्स, नियामकों और सरकार से आपस में मिलकर काम करने का आग्रह कर रहे हैं।

कामथ बंधुओं ने ज़ेरोधा के बेंगलुरु ऑफिस में चर्चा करते हुए देश के स्टार्टअप इकोसिस्टम में आए पॉजिटिव बदलावों को सराहा मगर इसके साथ ही दोनों ने चेतावनी दी कि अत्यधिक नियम विकास में बाधा डाल सकते हैं और उद्यमिता को हतोत्साहित कर सकते हैं। इस कार्यक्रम में कामथ बंधुओं के अलावा ज़ेरोधा के मुख्य तकनीकी अधिकारी कैलाश नाथ भी शामिल थे। निखिल कामथ ने स्टार्टअप इकोसिस्टम के भीतर अनिश्चितता पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने उद्यमियों और नियामकों के बीच सहयोगात्मक संबंध की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि हम ऐसे नियामकों के अधीन हैं जिनके साथ हमारा कोई प्रभाव या उनके फैसलों तक पहुंच नहीं है। वे एक दिन में हमारी आय को 50 प्रतिशत तक घटा सकते हैं। वे हमें बंद कर सकते हैं।

हालांकि, कामथ ने यह भी माना कि नियामकों ने सिस्टम को मजबूत बनाया है, लेकिन उन्होंने चेतावनी दी कि हद से ज्यादा कायदे-कानून इनोवेशन को दबा सकते हैं। कामथ ने उदाहरण देते हुए कहा कि एक कक्षा में जहां 50 बच्चे हों और शिक्षक मनमाने तरीके से नियम बनाए और बच्चों को डांटे, क्या उन बच्चों में इनोवेशन की भावना उत्पन्न होगी जो डर के माहौल में जी रहे हैं? शायद नहीं। नितिन कामथ ने भी अपने भाई की चिंताओं को दोहराया और बताया कि भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के नए नियम ज़ेरोधा की रेवेन्यू ग्रोथ को धीमा कर सकते हैं। उन्होंने सेबी के टू-टू-लेबल सर्कुलर का उदाहरण दिया कि कैसे नियम उनकी गतिविधियों को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

ओला इलेक्ट्रिक के खिलाफ नई नियामकीय कार्रवाई

- कीमतों में अचानक कटौती पर स्पष्टीकरण मांगा

नई दिल्ली ।

इलेक्ट्रिक दोपहिया बनाने वाली देश की प्रमुख कंपनी ओला इलेक्ट्रिक के खिलाफ नई नियामकीय कार्रवाई हो रही है। इसके तहत ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई) ने कंपनी द्वारा अचानक कीमत घटाए जाने पर चिंता जताई है। एआरएआई ने कंपनी को 8 अक्टूबर को भेजे गए एक मेल में 'बॉस' सेल से पहले एस1 एक्स 2 केडब्ल्यूएच (किलो वॉट आवर) मॉडल के दाम घटाए जाने के बारे में सूचित न किए जाने पर चिंता जताई है। इस प्रकार की चूक पीएम इलेक्ट्रिक ड्राइव रिवॉल्यूशन इन इनोवेटिव व्हीकल एन्हांसमेंट (पीएम ई-ड्राइव) योजना के तहत सरकारी सब्सिडी पाने के लिए पात्रता को प्रभावित कर सकती है। एआरएआई भारी उद्योग मंत्रालय के तहत एक वाहनों का परीक्षण करने वाली एजेंसी है। यह एजेंसी केंद्रीय मोटर वाहन नियमों के अनुसार मूल उपकरण निर्माताओं (ओईएम) को प्रमाणन प्रदान करती है। वह केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत प्रोत्साहन के लिए आवेदन करने वाली ओईएम को भी प्रमाणित करती है। ओला इलेक्ट्रिक ने अपनी बॉस सेल के लिए कीमत 74,999 रुपये से घटाकर 49,999 रुपये कर दी है। मगर कंपनी ने एआरएआई को अपने इस मॉडल की एक्स-फैक्ट्री कीमत 75,001 रुपये बताई है। इतनी कीमत और 2 केडब्ल्यूएच बैटरी क्षमता के आधार पर इस मॉडल को 10,000 रुपये की सब्सिडी का प्रमाण पत्र दिया गया है। पीएम-ईड्राइव दिशानिर्देशों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में पंजीकृत ई-दोपहिया और ई-तिपहिया वाहनों के लिए 5,000 रुपये प्रति केडब्ल्यूएच और वित्त वर्ष 2026 के लिए 2,500 रुपये प्रति केडब्ल्यूएच प्रोत्साहन देने का प्रस्ताव दिया गया है।

कोहली में है रनों की भूख, हर मैच के बाद आकलन सही नहीं: गौतम गंभीर

बेंगलुरू (एजेंसी)। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर पिछले कुछ अर्से में विराट कोहली के खराब फॉर्म से चिंतित नहीं है और उन्होंने कहा है कि इस स्टार बल्लेबाज में रनों की उतनी ही भूख है जितनी पदार्पण के समय थी लिहाजा हर मैच के बाद आकलन करना सही नहीं है।

कोहली ने पिछली आठ पारियों में सिर्फ एक अर्धशतक (सेंचुरियन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2023 में 76 रन) लगाया। न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार से शुरू हो रही तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला से पहले उनका फॉर्म में लौटना जरूरी है चूंकि इसके बाद भारतीय टीम को पांच टेस्ट के दौरे के लिये आस्ट्रेलिया जाना है।

गंभीर ने यहां पत्रकारों से कहा, 'विराट को लेकर मेरी सोच एकदम स्पष्ट है कि वह विश्व स्तरीय क्रिकेटर है। उसने इतने साल से इतना अच्छा प्रदर्शन किया है। रनों को लेकर उसकी भूख वैसी ही है जैसी पदार्पण के समय थी।' उन्होंने कहा, 'यही भूख उसे विश्व स्तरीय क्रिकेटर बनाती है। मुझे यकीन है कि वह इस श्रृंखला और आस्ट्रेलिया में भी रन बनाएगा।'

गंभीर ने कहा कि किसी खिलाड़ी का आकलन एक खराब मैच या श्रृंखला के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'हर मैच के बाद आकलन सही नहीं है। अगर आप हर मैच के बाद ऐसा करने लगे तो यह उनके लिये सही नहीं होगा। यह खेल है और विफलता का सामना करना ही होता है। अगर हमें नतीजे अनुकूल मिल रहे हैं तो चिंता की कोई बात नहीं है।' उन्होंने कहा, 'रोज कोई अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सकता। हमारा काम खिलाड़ियों का समर्थन करते रहना है। मेरा काम सर्वश्रेष्ठ 11 का चयन करना है, किसी को बाहर करना नहीं। हमें आठ टेस्ट लगातार खेलने हैं और सभी की नजरें अच्छे प्रदर्शन पर है।'

रानी रामपाल अंतरराष्ट्रीय करियर को कहेंगी अलविदा, इस दिन करेंगी ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान रानी रामपाल जल्द ही अपने अंतर्राष्ट्रीय करियर को अलविदा कह देंगी। बता दें कि, रानी लंबे समय यानी की 3 साल से टीम इंडिया से बाहर हैं। वहीं कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वह भारत-जर्मनी मैच के दौरान अपने फैसले का ऐलान कर सकती हैं।

रानी रामपाल ने 2008 में भारत के लिए डेब्यू किया था। जहां उन्होंने 254 मैचों में 120 गोल अपने नाम किए हैं। साथ ही 2018 में हुए एशियन गेम्स में सिल्वर और 2014 के एशियाड में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली टीम का भी अहम हिस्सा थीं। इसके अलावा रानी रामपाल की कप्तान में भारतीय महिला हॉकी टीम ने टोक्यो ओलंपिक में चौथा हासिल किया था टीम पदक से चूक गई थी।

ओलंपिक के बाद उस दौरान के कोच श्योर्ड मरीन्ये अपने पद से हट गए थे और उनकी जगह यानेक शॉपमैन जिम्मेदारी संभाली थी। ऐसा माना जाता है कि यानेक और रानी के बीच रिश्तों में कुछ नोकझोंक थी। उस दौरान रानी रामपाल चोट से भी जूझ रही थीं, शायद ये वजह थी कि साल 2022 में गुजरात में हुए राष्ट्रीय खेलों में 6 मुकाबलों में 18 गोल करने के बावजूद उनकी टीम इंडिया में वापसी नहीं हुई।

सिराज से पहले जोगिंदर सहित ये क्रिकेटर भी बने डीएसपी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को तेलंगाना पुलिस में डीएसपी की नौकरी मिली है। सिराज भारतीय पुलिस में डीएसपी बनने वाले पहले क्रिकेटर नहीं हैं। उनसे पहले दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह और 2007 टी20 विश्वकप की अंतिम गेंद पर विकेट लेने वाले जोगिंदर शर्मा और महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर को भी ये पद मिला था।

सिराज को टी20 विश्व कप 2024 में उनके अच्छे प्रदर्शन के लिए तेलंगाना सरकार ने डीएसपी बनाया है। सिराज को तेलंगाना कैबिनेट ने कुछ महीने पहले ही हैदराबाद में घर बनाने के लिए भी 600 वर्ग गज जमीन दी थी।

वहीं तेज गेंदबाज जोगिंदर शर्मा ने 2007 टी20 विश्व कप के फाइनल में शानदार गेंदबाजी कर भारतीय टीम को टी20 विश्वकप जिताया था। तब भारत ने महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में पहली बार इस ट्रॉफी जीती थी। जोगिंदर के फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ शानदार प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें हरियाणा पुलिस में डीएसपी की जगह मिली थी। उन्होंने साल 2007 में ही हरियाणा पुलिस में डीएसपी का पद संभाला था। जोगिंदर ने 2023 में पेशेवर क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। वहीं हरभजन भी पंजाब पुलिस में रहें हैं। इस पूर्व स्पिनर को पंजाब सरकार ने डीएसपी बनाया था। उन्होंने अब पुलिस की नौकरी छोड़ दी है। भज्जी ने टीम इंडिया के लिए 103 टेस्ट, 236 एकदिवसीय और 28 टी-20 अंतराष्ट्रीय मैच खेले हैं। उन्होंने टेस्ट में 417 विकेट जिबकि एकदिवसय में 269 विकेट लिए हैं। हरभजन 2011 वनडे विश्व कप विजेता भारतीय टीम का हिस्सा रहे हैं.

वहीं भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत सिंह को भी पंजाब सरकार ने डीएसपी बनाया है। हरमनप्रीत ने एकदिवसीय विश्व कप 2017 सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नाबाद 171 रन की पारी खेलकर सभी का ध्यान खींचा था।

महिला टी20 विश्व कप: अब पाकिस्तान से उम्मीदें, भारत को सेमीफाइनल तक पहुंचाने में कर सकता है मदद

नई दिल्ली (एजेंसी)। रविवार को गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया से 9 रन से मिली हार के बाद भारत को अब पाकिस्तान से उम्मीदें हैं जो उसे महिला टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचा सकता है। ऑस्ट्रेलिया ने चार मैचों में से चार जीत के साथ ग्रुप ए में शीर्ष स्थान हासिल करके अपना सेमीफाइनल स्थान सुनिश्चित किया। दो जीत और दो हार के बाद चार अंक हासिल करने वाले भारत को पाकिस्तान से न्यूजीलैंड को हराने की उम्मीदें करनी होंगे ताकि नेट रन-रेट के आधार पर भारत सेमीफाइनल में पहुंच सके। हालांकि, कीवी टीम की जीत उन्हें अंतिम-चार में पहुंचा देगी और भारत को बाहर कर देगी।

भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने स्वीकार किया, 'यह कुछ ऐसा है जो हमारे नियंत्रण में नहीं है। अगर हमें एक और मैच खेलने का मौका मिलता है, तो यह बहुत अच्छा होगा। लेकिन जो भी वहां होने का हकदार है, वह टीम वहां होगी।' छह बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने कप्तान एलिसा हीली की अनुपस्थिति को मात देते हुए सेमीफाइनल में जगह पक्की करने वाली पहली टीम बन गई। शुक्रवार को पाकिस्तान पर जीत के दौरान बल्लेबाजी करते समय पैर में चोट लगने के कारण हीली के बाहर होने के बाद ताहलिया मैकग्राथ ने ऑस्ट्रेलिया की अगुआई की।

हीली की जगह ग्रेस हैरिस ने 40 रन बनाए और मैकग्राथ ने 32 रन बनाए जिससे ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 151-8 का स्कोर बनाया। जवाब में भारत ने 142-9 का स्कोर बनाया जिसमें कौर ने नाबाद 54 रन बनाए और उन्होंने दीप्ति शर्मा के साथ चौथे विकेट के लिए 63 रन की साझेदारी की जिन्होंने 29 रन बनाए और मैच को अंतिम ओवर तक ले गए। भारत को आखिरी छह गेंदों पर 14 रन चाहिए थे, लेकिन ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज एनाबेल सदरलैंड ने सिर्फ चार रन दिए जिससे उसने चार विकेट खो दिए। इस जीत ने टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया की जीत की लय को 15 तक पहुंचा दिया।

पाक टीम से अब कोई उम्मीदें नहीं बचीं : शोएब अख्तर

लाहौर । पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने टीम के प्रदर्शन की कड़ी आलोचना की है। पाक टीम को बांग्लादेश के बाद इंग्लैंड के खिलाफ करारी हार झेलनी पड़ी है। इसके बाद से ही टीम सबके पूर्व दिग्गजों के निशाने पर है। तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने एक शो के दौरान कहा कि टीम हर क्षेत्र में खराब खेल रही है। अख्तर ने कहा कि, जो बोएंगे वही काटेंगे। टीम के हालात बहुत खराब है हार जीत होती रहती है पर मैच में संघर्ष तो करना चाहिये। यहां तो टीम मुकाबला ही नहीं कर पायी। पिछले दो दिनों में हमने जो देखा, उससे कहें अब कोई उम्मीद नहीं बची है। इससे पता चलता है कि हम अच्छा नहीं कर सक रहे हैं। पहले बांग्लादेश के खिलाफ दोनो मैच हारे और उसके बाद इंग्लैंड ने 800 से ज्यादा रन बनाकर पारी से हराया। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि प्रशंसक भी कह रहे हैं कि पाकिस्तान को टेस्ट क्रिकेट खेलना बंद कर देना चाहिए। आईसीसी तक सोच रहा होगा कि क्या हमें पाकिस्तान में टीमें भेजनी चाहिए और उनका टेस्ट दर्जा बरकरार रखना चाहिए। ये बहुत निराशाजनक है। इससे पाकिस्तान क्रिकेट, प्रशंसकों के साथ ही उभरती प्रतिभाओं को नुकसान पहुंचेगा। मैं पीसीबी से अनुरोध करना चाहता हूं कि वह इस गड़बड़ को सही करे।

महिला टी20 विश्व कप के बाद न्यूजीलैंड से वनडे सीरीज खेलेगी भारतीय महिलाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला टी20 विश्व कप 2024 दुबई में 20 अक्टूबर को समाप्त होगा। इसके तुरंत बाद ही भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज खेलती नजर आएगी। उक्त मुकाबले अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले जाएंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार तीन मैचों की श्रृंखला आईसीसी महिला वनडे चैंपियनशिप 2022-25 का हिस्सा है। न्यूजीलैंड वर्तमान में टीम चैंपियनशिप स्टैंडिंग में छठे स्थान पर है, जिसने अब तक अपने 18 एकदिवसीय मैचों में से केवल 8 जीते हैं। भारत, जो 2025 महिला एकदिवसीय विश्व कप का मेजबान है, मेगा इवेंट के लिए पहले ही क्वालिफाई कर चुका है। भारत के अलावा चैंपियनशिप तालिका में शीर्ष पांच टीमें मुख्य कार्यक्रम में आगे बढ़ेंगी, जबकि शेष 4 टीमों को विश्व कप के लिए अपना स्थान हासिल करने के लिए क्वालीफायर से गुजरना होगा। छोटी एकदिवसीय श्रृंखला के लिए दोनों टीमें अपना पूरा जोर लगा सकती हैं। सीरीज में बिजी रहने वाली क्रिकेटर इस दौरान ऑस्ट्रेलिया में महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल 2024) के शुरुआती मैच नहीं खेल पाएंगी। इस साल के डब्ल्यूबीबीएल में भारत की उप-कप्तान स्मृति मंधाना, बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स, विकेटकीपर यास्तिका भाटिया, ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा, दयालन हेमलता और शिखा पांडे 8 टीमों की प्रतियोगिता में भाग लेंगी। न्यूजीलैंड की कप्तान सह बल्लेबाजी ऑलराउंडर सोफी डिवाइन, सलामी बल्लेबाज सुजी बेट्स और लेग स्पिन ऑलराउंडर अमेलिया केर भी टूर्नामेंट में खेलेंगी। डब्ल्यूबीबीएल 2024 के बाद भारतीय टीम 5-11 दिसंबर तक मौजूदा वनडे विश्व कप धारक ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन वनडे मैच खेलने हैं। भारत और न्यूजीलैंड हाल ही में चल रहे टी20 विश्व कप में मिले थे, जहां न्यूजीलैंड ने 6 अक्टूबर को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में भारत पर 58 रन से जीत दर्ज की थी।

न्यूजीलैंड टेस्ट सीरीज से किया नजरअंदाज, भारत ए के पूर्व कप्तान ने लगातार चौथा शतक जड़ा

स्पोर्ट्स डेस्क । पिछले सप्ताह न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने के लिए नजरअंदाज किए गए भारत ए के पूर्व कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन ने सोमवार (14 अक्टूबर) को लगातार अपना चौथा शतक जड़ा। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी एकाना क्रिकेट स्टेडियम में उत्तर प्रदेश के खिलाफ चल रहे रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप सी मैच की दूसरी पारी में बंगाल के लिए ओपनिंग की और फिलहाल 151 गेंदों पर 114 रन बनाकर खेल रहे हैं। ईश्वरन ने अब तक भारत के लिए नहीं खेला है, ने इससे पहले पहली पारी में 17 गेंदों पर पांच रन बनाए थे। रणजी ट्रॉफी 2024-25 के पहले मैच में बल्ले से अपने शानदार प्रदर्शन से पहले ईश्वरन ने पिछले महीने दलीप ट्रॉफी में इंडिया बी के लिए लगातार दो शतक लगाए और फिर उसी मैदान पर खेले गए ईरानी कप 2024 के मैच में मुंबई के खिलाफ 191 रन की पारी खेली। वह इंडिया सी के खिलाफ 157 रन बनाकर नाबाद रहे और अनंतपुर में इंडिया डी के खिलाफ 116 रन बनाए। उनके लगातार अच्छे प्रदर्शन के बावजूद उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम में जगह नहीं दी गई जो बुधवार (16 अक्टूबर) को बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में शुरू होने वाला है। भले ही ईश्वरन ने टेस्ट टीम में जगह बना ली हो, लेकिन मौजूदा समय में उन्हें भारत के लिए खेलने का मौका मिलने की संभावना कम ही है। कप्तान रोहित शर्मा खेल के पांच दिवसीय प्रारूप में भारत के लिए ओपनिंग करते हैं, उनके साथ यशस्वी जायसवाल भी हैं जिन्होंने जुलाई 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ पदार्पण करने के बाद से अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है।

भारतीय हॉकी टीम की पूर्व कोच यानेक शॉपमैन लौटीं भारत, इंडिया में औरतों की इज्जत नहीं होने का लगाया था आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाई थी। इसके बाद टीम की मुख्य कोच यानेक शॉपमैन ने हॉकी इंडिया के माहौल को लेकर काफी कुछ कहा। उन्होंने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा था कि भारत में औरतों की बातों की अहमियत नहीं है। अब वही शॉपमैन भारत लौट आई हैं। एक बार फिर कोचिंग स्टाफ का हिस्सा लेंगी लेकिन इस बार भारतीय टीम के डगआउट में नजर नहीं आएंगी।

हॉकी इंडिया लीग में रविवार को पुरुष टीमों ने बोली लगाई। ऑक्शन के दौरान हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की और महासचिव भोलानाथ भी मौजूद थे। इस दौरान यानेक शॉपमैन भी ऑक्शन रूम में दिलाई दी। वह 15 अक्टूबर को ओडिशा महिला टीम की टेबल पर भी नजर आ सकती है। उन्हीं लोगों के बीच जिन पर उन्होंने कई गंभीर आरोप लगाए थे और फिर भारत छोड़कर चली गई थीं।

शॉपमैन ओडिशा की महिला टीम का हिस्सा हैं। उन्हें बतौर टेक्निकल डायरेक्टर टीम से जोड़ा गया है। इसी जिम्मेदारी के लिए शॉपमैन वापस आई हैं। ओडिशा वही राज्य है जहां शॉपमैन आखिरी बार महिला टीम के साथ नजर आईं। भारतीय महिला टीम ने उनके कोच रहते हुए ओडिशा में ही ओलंपिक क्वालिफायर खेला था। भारत टॉप 3 में नहीं पहुंचा और पेरिस का टिकट हाथ से निकल गया।

बता दें कि, शॉपमैन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इस्तीफा देते हुए उन्होंने कई गंभीर बयान दिए। इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत में उन्होंने कहा था कि भारत ऐसा देश हैं जहां महिलाओं की बातों को, उनकी सोच को अहमियत नहीं दी जाती है। साथ ही उन्होंने हॉकी इंडिया पर महिला और पुरुष टीम के बीच भेदभाव करने का भी आरोप लगाया था।

भारत के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज में चौथे नंबर पर ही उतरेंगे स्मिथ : बेली

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ भारत के खिलाफ होने वाली आगामी टेस्ट बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज सीरीज में अपने चौथे नंबर पर ही उतरेंगे। डेविड वार्नर के संन्यास के बाद स्मिथ को सलामी बल्लेबाज के तौर पर अवसर दिया गया था पर वह असफल रहे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के राष्ट्रीय चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने भी माना कि स्मिथ को उनके पारंपरिक स्थान पर ही उतारा जाएगा। उन्होंने सलामी बल्लेबाज के तौर पर दूसरे ही टेस्ट में नाबाद 91 रन बनाए पर न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में सलामी बल्लेबाज के तौर पर वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके और चार पारियों में कुल 51 रन ही बना पाये। बेली ने कहा कि इसको लेकर 'पैट कमिंस, एंड्रयू मैकडोनाल्ड और स्टीव स्मिथ से उनकी लगातार बात हो रही है। स्टीव ने पारी सलामी बल्लेबाज की जगह अपने ही चौथे नंबर नीचे उतरने की इच्छा जताई है। इसके बाद कमिंस और एंड्रयू ने कहा कि वह इस सत्र में बल्लेबाजी क्रम में नीचे उतरेगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 22 नवंबर से सीरीज शुरु होगी।

ग्रीन की जगह बेनक्रॉफ्ट को मिल सकता है अवसर: टेलर

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मार्क टेलर का मानना है कि ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन के चोटिल होने के कारण नवंबर में भारतीय टीम के खिलाफ होने वाली बोर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में विकेटकीपर बल्लेबाज कैमरन बेनक्रॉफ्ट को ऑस्ट्रेलिया की टीम में शामिल किया जा सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार ग्रीन का अपनी पीठ के निचले हिस्से की सर्जरी के कारण भारत के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में खेलना तय नहीं है। ऐसे में ग्रीन के बाहर होने से ऑस्ट्रेलिया को अपने बल्लेबाजी क्रम में फेरबदल करना होगा। इसके तहत ही उसे बदलाव भी करने होंगे। ग्रीन पिछले साल एशेज सीरीज के दौरान भी टीम से बाहर थे तब मिचेल मार्श आए थे। वहीं इस साल की शुरुआत में डेविड वार्नर के संन्यास के बाद माना जा रहा थ कि बेनक्रॉफ्ट को पारी की शुरुआत के लिए रखा जाएगा पर तब चयनकर्ताओं ने ग्रीन को टेस्ट टीम में वापस बुला लिया और स्टीव स्मिथ से पारी की शुरुआत कराई गई पर स्मिथ अनुभवी होने के बाद भी सलामी बल्लेबाज के रूप में विफल रहे थे। ऐसे में टेलर का मानना है कि स्मिथ को फिर से चौथे नंबर पर भेजा जाएगा। टेलर ने कहा, 'मुझे लगता है कि स्मिथ फिर से चौथे नंबर पर आ जाएंगे ऐसे में मेरा मानना है कि बेनक्रॉफ्ट को उत्मान ख्वाजा के साथ पारी की शुरुआत का अवसर मिलेगा।बेनक्रॉफ्ट हालांकि विवादों में भी रहे हैं। साल 2018 के गेंद से छेड़छाड़ मामले में उनपर 9 महीने का प्रतिबंध लगा था। वह पिछले दो वर्षों से शेफील्ड शील्ड में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी भी रहे हैं। टेलर के अनुसार युवा सलामी बल्लेबाज सैम कोंस्टास को भी बोर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए टेस्ट टीम में जगह मिल सकती है। हाल में कोंस्टास ने घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया था।

पांड्या ने करियर में कई चुनौतियों का सामना किया : आकाश

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने कहा है कि ऑलरांउडर हार्दिक पांड्या ने अपने करियर में कई मुश्किलें भी झेली हैं। उनका करियर उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। इस पूर्व क्रिकेटर कहा कि जिस प्रकार निजी जिंदगी और पेशेवर चुनौतियों का सामना कर पांड्या आगे बढ़े हैं उससे उनके जुनून का पता चलता है। इस क्रिकेटर ने बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे टी20आई मैच में 18 गेंदों पर ही 47 रन बना दिये थे। उन्होंने कहा कि पिछले एक साल में पांड्या ने जिस प्रकार सर्जरी से उबरकर वापसी की है। वह प्रेरित करने वाला है। उन्होंने अपने व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन में बहुत उतार-चढ़ाव देखे हैं इसमें आईपीएल के दौरान हुई हूटिंग भी है। पांड्या ने बांग्लादेश के खिलाफ पूरी सीरीज़ में आक्रामक बल्लेबाजी कर रन बटोरे। उन्होंने ज्यादातर मैचों में 200 से ऊपर के अधिक के स्ट्राइक रेट से रन बनाये। चोपड़ा ने कहा बांग्लादेश के खिलाफ तीनों टी20 मैचों में उन्होंने 200 से अधिक की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की है। पहले टी20आई में पांड्या ने 16 गेंदों पर नाबाद 39 रन बनाए। इसके बाद दूसरे में उन्होंने 19 गेंदों पर 32 रन बनाए। चोपड़ा ने कहा कि पांड्या के खेल से पता चलता है कि उनका मनोबल कितना ऊपर है। उन्होंने कवर पर छक्का लगाया और लेग साइड पर बिना देखे एक हाथ से छक्का लगाया। उनका गेंदबाजों के प्रति व्यवहार बेरहम सा रहा है।

भारत /न्यूजीलैंड : बल्लेबाजों पर आश्रित रहने वाले एटीट्यूड... गौतम गंभीर ने गेंदबाजों के लिए कही बड़ी बात

हैदराबाद (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज बुधवार से शुरू होने जा रही है। पहला टेस्ट बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाना है। सीरीज के आगाज से पहले टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने गेंदबाजों के लिए बड़ी बात कही है। दरअसल, गंभीर का कहना है कि हमें बल्लेबाजों पर आश्रित रहने वाले एटीट्यूड को खत्म करना चाहिए।

बता दें कि, पिछले दशक में क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में खेलने के तरीके में धीरे-धीरे बदलाव आया है। टेस्ट में ज्यादा समय बिताने वाले बल्लेबाजों की जगह गेंदबाजों का दबदबा बढ़ा है।

हाल ही में कानपुर में भारत और बांग्लादेश के बीच खेला गया टेस्ट मैच में भी इस बात का गवाह रहा। यहां बारिश और गीली आउटफील्ड के कारण दो दिन से ज्यादा खेल नहीं होने के बावजूद भारतीय टीम ने जीत हासिल की। भारत ने शुरु से ही ताबड़तोड़ बल्लेबाजी कर बांग्लादेश पर दबाव बनाया और फिर गेंदबाजों ने 20 विकेट चटकाकर ऐतिहासिक जीत दिलाई।

वहीं कोच गंभीर ने भी कहा है कि अब समय बदल गया है। उन्होंने 20 विकेट और एक हजार रन की दिलचस्प तुलना की। गंभीर के अनुसार, बल्लेबाज भले ही जितने रन बना लें लेकिन जीत की गारंटी नहीं। गंभीर ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि, वो दौर बीत चुका है। ये गेंदबाजों का दौर है। बल्लेबाज ही सिर्फ मैच सेटअप करते हैं। हमें बल्लेबाजों के प्रति इस जुनूनी एटीट्यूड को खत्म करना होगा। अगर कोई बल्लेबाज, 1000 रन भी बना लेता है तो उसके बाद भी जीत की गारंटी नहीं मिलती। लेकिन अगर कोई गेंदबाज 20 विकेट निकालने में सफल रहे तो 99 प्रतिशत गारंटी है कि हम टेस्ट मैच जीतेंगे।

कोच ने आगे कहा कि, इसलिए चाहे टेस्ट मैच हो या कोई अन्य फॉर्मेट, गेंदबाज आपको मैच और टूर्नामेंट जिताते हैं। इस दौर में हम बल्लेबाजों की तुलना में गेंदबाजों के बारे में ज्यादा बात करेंगे और मुझे उम्मीद है कि ये माइंडसेट बदलेगा। 1950 से 1990 के दशक के दौर में अगर बल्लेबाज एक या दो दिन से ज्यादा क्रीज पर टिके रहते थे तो अधिकतर मैच का नतीजा ड्रॉ ही होता था। हालांकि, पिछले कुछ सालों में टेस्ट क्रिकेट में बदलाव का संकेत मिला है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्या आप अपने नए घर को पेंट करवाने का सोच रहे हैं?

क्या आप अपने नए घर को पेंट करवाने का सोच रहे हैं? या अपने पुराने आशियाने को ही नई रंगत देकर नया लुक देना चाहते हैं? यदि हां, तो आपकी घर की दीवारों को पेंट करवाने से पहले ये जरूर जान लीजिए कि किन रंगों से महकेगा आपका आशियाना। घर की साज-सज्जा एवं रंग-रोगन के लिए दिशा के अनुसार चुनें इन 5 समृद्धिदायक रंगों को, और पाएं वर्ष भर खुशहाली व सुख-समृद्धि। जानें कैसे करें रंगों का चुनाव...

हिन्दू धर्म के सबसे बड़े त्योहार दीपावली के लिए कई दिन पहले से घर में साफ-सफाई और रंग-रोगन का दौर शुरू हो जाता है। घर में सुख शांति और प्रसन्नता का वातावरण बना रहे इसलिए कई लोग घर की साज-सज्जा व रंगाई के लिए वास्तु और फेंगशुई के टिप्स भी आजमाते हैं।

- घर का बैठक कक्ष सबसे अहम होता है, इसलिए यहां की दीवारों पर विशेष तौर पर ध्यान देने की जरूरत होती है। यहां पर भूरा, गुलाबी, सफेद या क्रीम कलर सबसे अच्छा माना जाता है। यहां पर इन रंगों के परदे या तकिए कवर का इस्तेमाल भी शुभ फल देता है।
- भोजन कक्ष को रंगवाते समय आसमानी, हल्का हरा व गुलाबी रंग करवा सकते हैं। इससे हमेशा ऊर्जा व ताजगी का संचार होता है और सकारात्मकता बनी रहती है।
- रसोई घर में सफेद रंग हमेशा अच्छा माना जाता है। हांलांकि यह गंदा भी बहुत जल्दी होता है, लेकिन अगर आप नियमित तौर पर सफाई बनाएं रखें तो यह बहुत ही सकारात्मक प्रभाव छोड़ता है।
- बाथरूम या शौचालय के लिए हल्का गुलाबी या फिर सफेद रंग ही सबसे बेहतर होते हैं। खास तौर से बाथरूम में गुलाबी रंग का प्रयोग ताजगी बनाए रखता है और आप आंतरिक खुशी महसूस करते हैं।
- शयन कक्ष भी काफी महत्वपूर्ण होता है, यहां पर भी आप हल्का हरा, आसमानी, गुलाबी जैसे रंगों को इस्तेमाल कर सकते हैं, जिन्हें देखकर मन हमेशा प्रसन्न रहे। इससे आपके रिश्तों में भी मधुरता आती है।
- पीला रंग सुकून व रोशनी देने वाला रंग होता है। घर के ड्राइंग रूम, ऑफिस आदि की दीवारों पर यदि आप पीला रंग करवाते हैं तो वास्तु के अनुसार यह शुभ होता है।
- अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के लिए आपको अपने कमरे की उत्तरी दीवार पर हरा रंग करना चाहिए।
- आसमानी रंग जल तत्व को इंगित करता है। घर की उत्तरी दीवार को इस रंग से रंगवाना चाहिए।
- घर के खिड़की दरवाजे हमेशा गहरे रंगों से रंगवाएं। बेहतर होगा कि आप इन्हें डार्क ब्राउन रंग से रंगवाएं।
- जहां तक संभव हो सके घर को रंगवाने हेतु हमेशा हल्के रंगों का प्रयोग करें।

क्या है बच्चों की मालिश का परफेक्ट तरीका

कोरोनाकाल में घर से लेकर ऑफिस तक के काम का दबाव बढ़ गया है। ऐसे में रात में बच्चों को सुलाने में मशक्कत करनी पड़े तो मन में खीज पैदा होना लाजिमी है। अगर काफी देर तक घुमाने-टहलाने और लोरी सुनाने के बाद भी आपके लाडले की आंखों में नींद नहीं भरती तो परेशान मत होइए। लंदन के मशहूर मसाज विशेषज्ञ ने मालिश की ऐसी विधि सुझाई है, जिससे आपका बच्चा मिनटों में नींद के आगोश में चला जाएगा।

मां-बाप की मशक्कत

- मां-बाप को बच्चे के जन्म के शुरुआती एक साल में 04 घंटे 44 मिनट की औसत नींद मिलती है
- 50 रातों की नींद गंवाने के बराबर है यह आंकड़ा, स्वस्थ वयस्कों को आठ घंटे रोजाना सोना चाहिए
- 54 मिनट औसतन रोजाना बच्चे को सुलाने में लगते हैं, तीन बार औसतन रात में उठता है बच्चा
- 02 मील रोजाना चलना-फिरना होता है मां-बाप का बच्चे को बहलाने, फुसलाने, सुलाने की प्रक्रिया में।

पूरे शरीर में लगाएं तेल

- सरसों, नारियल या जैतून का तेल लें, सिर से लेकर पांव तक हल्के हाथों से हर एक अंग में लगाएं
- अब ऊपर से नीचे की तरफ धीमी गति से हाथ फिराते हुए 10 से 15 मिनट तक बच्चे की मालिश करें

बातों में उलझाए रखें

- साज करते समय चेहरे पर मुस्कराहट जरूर बनाए रखें
- बच्चे से धीमे स्वर और तुतलाती भाषा में प्यार-भरी बातें करें
- तेज मालिश करने से बचें, बच्चा रोए तो उस पर चिल्लाएं नहीं

खास जगहों पर मसाज जरूरी

- नाक का ऊपरी हिस्सा - दोनों भौहों के बीच नाक के शुरुआती हिस्से पर अंगूठे और तर्जनी उंगली से हल्की मालिश करें। बच्चे का मन शांत करने में मदद मिलती है।
- हथेली - दोनों हथेलियों पर धीमे-धीमे से हाथ फिराएं। पांचों उंगलियों के बीच के स्थान पर कम से कम 30 सेकेंड तक हल्की मसाज दें। दांत दर्द की समस्या दूर होगी।
- पेट - दर्द, गैस, कब्ज की समस्या से राहत दिलाने और पाचन तंत्र को मजबूत बनाने के लिए पेट पर बाईं से दाईं ओर गोलाई में हल्के हाथ से पांच मिनट तक मसाज करें।
- पंजे - अंत में बच्चे के दोनों पैरों के पंजे अपने हाथों में लें। अब पंजे के बीच के हिस्से को अंगुठे से 10 से 15 सेकेंड के लिए दबाएं। उसका मस्तिष्क पूरी तरह से शांत हो जाएगा।

मन शांत करने में मददगार

- हल्के हाथों की मालिश लव हार्मोन 'ऑक्सिटोसिन' का स्तर बढ़ाने के साथ ही स्ट्रेस हार्मोन 'कॉर्टिसोल' का उत्पादन घटाने में कारगर
- इससे बच्चे के मस्तिष्क में मौजूद अतिरिक्त ऊर्जा के शांत पड़ने से तन-मन को सुकून महसूस होता है, शरीर में सुस्ती भी छाती है

गुनगुना दूध पिलाना भी फायदेमंद

- सोने-जगने का समय तय करें, उसे रोज अमल में भी लाएं
- रात में बिस्तर पर आने के बाद बच्चे को गुनगुना दूध पिलाएं
- कमरा हल्का ठंडा रखें, मुलायम गद्दे पर सुलाएं, लोरी सुनाएं

...तो रिश्ता हो जाएगा मजबूत

दुनिया में रिश्ते के बिना प्यार का अहसास ही नहीं हो सकता। रिश्ता चाहे कोई भी हो खास होता है। इसे निभाने के लिए शुरुआत भी अलग तरीके की होना चाहिए। फिर चाहे वो दोस्ती हो या फिर रिश्तेदारी।

खुशियों का अहसास अपनो से ही होता है। इसे हमेशा के लिए गहरा करने के लिए कुछ खास बातों की तरफ ध्यान देना बहुत जरूरी है ताकि आने वाला हर पल हसीन रहे। अगर किसी कारण रिश्तों में गलतफहमियां आ भी जाए तो एक दूसरे पर यकीन इतना गहरा हो कि कोई दूसरा आपमें अपनी जगह बना न सके। लेकिन इसके लिए कुछ बातों का खास ख्याल रखना भी बहुत जरूरी है ताकि प्यार से संजो कर रखा गया यह रिश्ता जिंदगी की जरूरत बन जाए।

एक दूसरे को जानना जरूरी

आप किसी से प्यार करते हैं तो इसके लिए एक बात को जान लेना बहुत जरूरी है आपको उसकी आदतों के बारे में जानना होगा। इससे आप खुद को और अपने बढ़ते रिलेशनशिप को कुछ समय दे पाएंगे। जो भविष्य में आपके लिए परेशानी नहीं बनेगा।

रिलेशनशिप से बनें पहचान

दोस्ती को आगे बढ़ाने के लिए कुछ बातों को समझना बहुत जरूरी है। जैसे दोस्ती इस तरह की हो जो आपकी पहचान बनें। इस बात का ध्यान रखें कि कहीं ऐसा तो नहीं कि आप दोस्ती में खोते जा रहे हैं। यह बदलाव आपके लिए खतरनाक हो सकता है।

कभी शक भी जायज

जहां यकीन है वहां शक होना भी कभी कभी जायज होता है। पार्टनर पर जरूरत से भी ज्यादा यकीन कर लेने से भी कई बार रिश्ता खराब होने का डर रहता है। थोड़ा बहुत शक करना या फिर पजेसिव होने से पार्टनर को भी पता चलता है कि आप उनके लिए कितने जरूरी हैं।

एक-दूसरे को दें वक्त

एक-दूसरे के साथ समय बिता कर उसके बारे में बहुत कुछ जानने को मिलता है। कई बार ज्यादा देर तक बनाई गई दूरी भी रिश्ते में खट्टास पैदा कर सकती है। ऐसे में समय की कमी के कारण अगर पार्टनर के साथ नराजगी है तो एक-दूसरे को समय जरूर दें। कहीं न कहीं आपके रिश्ते में मजबूती आनी शुरू हो जाएगी। कोशिश करें एक- दूसरे के साथ समय बिताएं।

बढ़ते बचपन के साथ व्यावहारिक समझ विकसित करती हैं बेटियां

बेटियां कैसे अपने बढ़ते बचपन के साथ-साथ घर की जिम्मेदारियों और व्यावहारिक समझ को विकसित करती हैं, इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है एक पिता के द्वारा लिखा गया ये लेख।

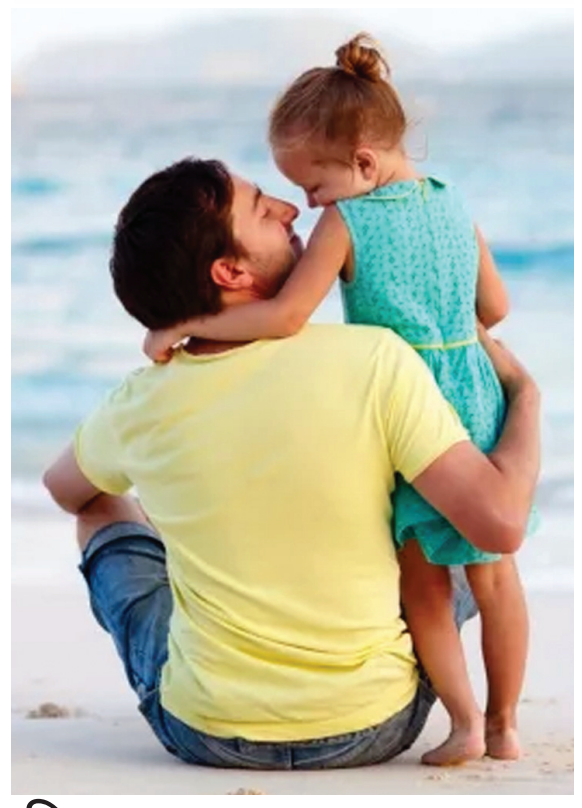

सिर्फ ग्यारह साल की है मेरी बिटिया। पांचवी में पढ़ती है। यूनिटरी फैमिली में एक बच्चे को क्या-क्या झेलना पड़ता है, इसका ज्वलंत उदाहरण है वह। मैं और मेरी पत्नी दोनों ही कामकाजी हैं। हमने खुद से जद्दोजहद करते, बिना किसी के सपोर्ट के जीवन जीना सीखा है और परिवार के बुजुर्गों की परवरिश से दूर मेरी बेटी ने भी खुद ही सबकुछ सीख लिया। जब वह डेढ़ साल की थी, तभी से मछली का कांटा निकाल कर खुद खाती थी। हम कामकाज में व्यस्त रहते और वह कांटा निकालने की तरकीब ढूंढती रहती। यह उसने अंतत: सीख ही लिया। किसी दिन उसकी मां को एक्जाम ड्यूटी के लिए रविवार के दिन सुबह आठ बजे ही निकलना होता। कभी-कभी मुझे भी कालेज में कक्षाएं लेने पत्नी के साथ ही आठ बजे निकलना होता है। उस वक्त बेटी की आंखों में यह सवाल होता है कि तुम दोनों शाम तक लौटोगे, तो मैं दिनभर क्या करूंगी, अकेली कैसे रहूंगी। पर वह बोलती कुछ नहीं। उसकी आंखों में हठात एक सूनापन सा आता है और आकर चला जाता है। वह तपाक से कहती है। तुमलोग जाओ। दरवाजे में बाहर से ताला लगा देना। मैं अंदर से कुंडी बंद कर दूंगी और टीवी देखती रहूंगी। ऐसा कई बार हुआ है कि हम दोनों आठ-दस घंटे बाहर होते हैं और बेटी ने दिनभर टीवी देखते हुए, बाहर से ताला लगे बंद कमरे में खुद को अकेली बिताया है। जाते वक्त हम उसका खाना, बिस्किट वगैरह रख देते हैं। हिदायत देते हैं- बेटा आग के पास मत जाना, गैस मत खोलना। बिजली कट जाये, तो बिजली आने का इंतजार करना-माचिस मत जलाना। बेटी ठीक वैसा ही करती है। आज तक उसने वैसा ही किया है। यह सिलसिला पिछले चार-पांच सालों से चल रहा है। जब वह पांच-छह साल की थी, तब से। हम दिनभर अपने काम के साथ बेटी की चिंताओं में घुलते रहते हैं कि पता नहीं वह कैसी होगी। शाम को जब दरवाजे का ताला आकर खोलते हैं, तो कभी वह अपना होंमवर्क कर रही होती है। उसने घर के अंदर, बंद ताले में खुद को सेफ रखने के लिए सभी उपाय सीख लिए हैं। जैसे ही वह बाहर कोई आहट सुनती है, टीवी धीमा कर देती है। कोई आवाज नहीं निकालती। वह धीरे-धीरे बड़ी हो रही है। फिजिकली। मेंटली वह समय से पहले ही बड़ी हो गयी है। यह सब उसे कुछ हमने सिखाया है, तो कुछ परिस्थितियों ने। अपनी कई मुश्किलें वह अपनी मां के साथ शेयर करती है, तो लगता है कि इसने अपना बचपना थोड़ा खोया, थोड़ा झटका है। महज ग्यारह साल की उम्र में उसे परिस्थितियों ने परिपक्व बना दिया है। पर, वह अकेली बिटिया है। उसे जीना इसी समाज में है।

वॉर्डरोब में नए-पुराने कपड़ों को इस तरह से करें टिमअप और रखें वॉर्डरोब को अपडेट

हमसे से अधिकतर लोग ऐसे हैं, जो समय की कमी के कारण अपने वॉर्डरोब पर ध्यान नहीं दें पाते। जिसके कारण वॉर्डरोब में नए-पुराने कपड़ों का ढ़ेर लग जाता है। वक्त है, कोरोना काल का जिसमें सोशल डिस्टेंसिंग का हम सभी पालन कर रहे है। जिस वजह से हम अपना ज्यादातर समय घर पर ही बिता रहे है। तो क्यों न इस समय का सही इस्तेमाल करते हुए अपने वॉर्डरोब को अपडेट किया जाएं। आइए जानते कुछ टिप्स-

- डार्क कलर के 1-2 पैंट्स अगर आपके वॉर्डरोब में हैं, तो नए लुक के लिए कुछ कलरफुल शॉर्ट कुर्ते खरीदें। कलमकारी, इकत या लखनवी चिकन के शॉर्ट कुर्ते अच्छे लगते है। साथ ही रूटीन में पहनें जानेवाले टॉप और पैंट स्टाइल को भी ब्रेक मिलता है।
- प्लेन टाइट टीशर्ट यदि आपके वॉर्डरोब में है तो इसको आप कलरफुल धोती पैंट के साथ आप टीमअप कर सकते है।
- यदि वॉर्डरोब में पुरानी प्रिंटेड सलवारों ने काफी जगह घेर रखी है, तो इनके उपर पहनने के लिए 1 से 2 कुर्ती खरीदें।
- यदि पेन्सिल जींस आपके पास हैंतो 1 से 2 फ्लोरल लॉन्ग लाइन शर्ट खरीदें।
- पुराने शॉर्टर्स अलनारी में है तो फ्रिल नेक ब्लाउज टॉप या कॉन्ट्रास्ट बाइंजिंग नॉट टॉप खरीदें। नया टॉप पहनने पर पुराने शॉर्टर्स भी नए लुक में नजर आते है।
- अगर आपके पास कलरफुल लॉन्ग स्कर्ट है, तो उसके साथ शॉर्ट कुर्ती, टीशर्ट या लॉन्ग कुर्ते भी पहने जा सकते है।
- ए लाइन फुल लेंथ स्कर्ट पहले से है, तो उसके साथ लॉन्ग कुर्ते पहनें, हील्स पहनें। इससे हाइट अच्छी दिखगी।
- शॉर्ट स्कर्ट के साथ जैगिंग्स पहनना ट्रेंडी लुक देगा। साथ में एक्सेसरी के तौर पर स्कार्फ भी लें।

वॉर्डरोब में इन बातों का रखें ख्याल

- पैंट, जींस के लिए मल्टीपर्पस 5 लेअर हैंगर का इस्तेमाल करें। यह वॉर्डरोब की जगब को कम घेरेगा और वॉर्डरोब संवरा दिखेगा।
- सॉक्स और अंडरगारमेंट्स आर्गेनाइजर भी वॉर्डरोब को क्लीन लुक देते हैं। इसमें ब्रा का ळभी सेक्शन होना चाहिए। सिंगल पैडेड ब्रा, स्पोस्टर्स, ब्रा, टीशर्ट ब्रा, रेगलुर यूज के लिए 5 से 6 अलग-अलग ब्रा रखें। आयरन की हुई शर्ट या कुर्ते हैंगर में लटकाने से अगर जगह ज्यादा घिरती है, तो उसके लिए शर्ट ऑर्गनाइजर अच्छा रहेगा।
- होम स्ट्रेप हैगिंग ज्वेलरी ऑर्गेनाइजर वॉर्डरोब के अंदर की ओर किसी हुक पर लगाएं। इस पर अपनी चंकी ज्वेलरी, ब्रेसलेट, नेक पीस जैसी चीजें टांग सकती हैं, जिससे जरूरत के समय सामने नजर आए।

संक्षिप्त समाचार

इंडोनेशिया के उत्तरी मालुकु तट पर नाव में लगी आग, पांच की मौत

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया के उत्तरी मालुकु प्रांत के तट पर एक स्पीड बोट में आग लग गई। इस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। हादसे में कुछ और लोगों के मारे जाने की भी आशंका है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय आपदा प्रबंधन एवं न्यूनीकरण एजेंसी के वरिष्ठ अधिकारी अब्दुल मुईस उमा टेरनाटे ने बताया कि दुर्घटना स्थानीय समयानुसार दोपहर 14.05 बजे हुई, जब गवर्नर पद के उम्मीदवार बेनी लाओस और उनके समर्थकों से भरी नाव तालीबू क्षेत्र के एक समुद्री बंदरगाह पर थी और अभियान के लिए यात्रा जारी रखने से पहले ईंधन भरा जा रहा था। अब्दुल मुईस उमा टेरनाटे ने शिन्हुआ को बताया कि हादसे में पांच लोग मारे गए हैं, नौ अन्य घायल हो गए हैं और कुछ लोग नाव में फंसे हुए हैं। वीडियो फुटेज में देखा जा सकता है कि कि आग ने पूरी नाव को अपनी चपेट में ले लिया था, जो लोग नाव के अंदर रह गए थे, वह मर गए होंगे। अधिकारी नाव में मौजूद लोगों की सटीक संख्या नहीं बता पाए हैं। प्रांतीय आपदा प्रबंधन एवं न्यूनीकरण एजेंसी की लॉजिस्टिक इकाई के प्रमुख युसरी अब्दुल कासिम ने बताया कि आग लगने से ठीक पहले एक विस्फोट हुआ था। उन्होंने आगे कहा कि सभी घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है।

माली में बाढ़ से अब तक 177 लोगों की मौत, 148 घायल

बमाको , एजेंसी। माली में बारिश के मौसम की शुरुआत से आई बाढ़ से कम से कम 177 लोगों की मौत हो गई है। बारिश और बाढ़ के कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, शुक्रवार को माली के इंटर मिनिस्ट्रियल कमेटी फॉर क्राइसिस एंड डिजास्टर मैनेजमेंट की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार, देश में बाढ़ की 656 घटनाएं दर्ज की गई हैं, जिनमें 148 लोग घायल हुए और 37,999 घर ढह गए। इस बाढ़ से 47,955 परिवारों के 264,646 लोग प्रभावित हुए हैं। माली के शिक्षा मंत्रालय ने बताया कि 128 पब्लिक स्कूल बाढ़ पीड़ितों के आश्रय के रूप में उपयोग किए जा रहे हैं। 167 स्कूल पानी में डूबे हुए हैं और 256 स्कूलों की इमारतें ढह गई हैं। देश भर में भारी बारिश जारी है, जिससे नदियां और उनकी सहायक नदियां उफान पर हैं। अधिकारियों ने बार-बार निवासियों से बाढ़-ग्रस्त क्षेत्रों को खाली करने, पैदल, बाइक या कार से बाढ़ वाली सड़कों पर जाने से बचने का आग्रह किया है। साथ ही नागरिकों को सलाह दी गई है कि वे उफनती नदियों से दूर रहें और भारी बारिश के दौरान घर के अंदर रहें। माली सरकार ने 23 अगस्त को राष्ट्रीय आपदा की घोषणा की थी, जिसके कारण स्कूलों के नए सत्र की शुरुआत 1 अक्टूबर से 4 नवंबर तक स्थगित कर दी गई।

इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने रतन टाटा के निधन पर शोक जताया, उन्हें 'भारत का महान सपूत' बताया

जेरूशलम, एजेंसी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भारतीय उद्योग जगत के दिग्गज रतन टाटा के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें दोनों देशों के बीच मित्रता का समर्थक बताया। टाटा समूह के पूर्व अध्यक्ष का बुधवार शाम 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया। नेतन्याहू ने 'एक्स' पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को संबोधित एक पोस्ट में इजराइल-भारत संबंधों को बढ़ावा देने में रतन टाटा के योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने शनिवार को एक पोस्ट में लिखा, मेरे मित्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी। मैं और इजराइल के असंख्य लोग भारत के महान सपूत और दोनों देशों के बीच मित्रता के हिमायती रतन नवल टाटा के निधन पर शोक व्यक्त करते हैं। नेतन्याहू ने प्रधानमंत्री मोदी से रतन टाटा के शोकाकुल परिवार के प्रति उनकी संवेदना व्यक्त करने को कहा। उन्होंने अपने पोस्ट के अंत में कहा, (शोकाकुल परिवार के प्रति) संवेदनाओं के साथ, बेंजामिन नेतन्याहू। सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने भी बृहस्पतिवार को रतन टाटा को श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें अपने देश का सच्चा मित्र बताया था। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने शुक्रवार को रतन टाटा के निधन पर शोक व्यक्त किया था तथा नवाचार और विनिर्माण में उनके योगदान की प्रशंसा की थी तथा भारत एवं फ्रांस में उद्योगों को मजबूत बनाने में उनकी भूमिका को स्वीकार किया था।

कोस्टा रिका के प्रशांत महासागर तट पर 6.2 तीव्रता का भूकंप

निकारागुआ , एजेंसी। कोस्टा रिका के कुछ हिस्से शनिवार को 6.2 तीव्रता वाले भूकंप के झटकों से दहल गए। हालांकि, फिलहाल किसी गंभीर नुकसान की खबर नहीं है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने बताया कि भूकंप का केंद्र कोस्टा रिका के प्रशांत तट पर निकारागुआ की सीमा पर था और वहां भी झटके महसूस किये गए। इसका केंद्र 18 किलोमीटर की गहराई में था।

उत्तरी गाजा में शरणार्थी शिविर पर इजराइल का भीषण हमला, 22 लोगों की मौत

गाजा, एजेंसी। उत्तरी गाजा में संघर्ष नाटकीय रूप से बढ़ गया है, जिससे गंभीर मानवीय संकट पैदा हो गया है। इजराइली सेना के भीषण हमले में जबालिया शरणार्थी शिविर में, महिलाओं और बच्चों सहित कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई है, जिसका मकसद हमास की क्षमताओं को खत्म करना है। इस हमले के बाद हजारों फिलिस्तीनी नागरिक गोलीबारी में फंस गए हैं, जो अपने आसपास की हिंसा का शिकार बन रहे हैं। डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स जैसे अंतर्राष्ट्रीय संगठनों ने अराजकता के बीच फंसे नागरिक आबादी पर इस हमले के भयानक प्रभाव पर चिंता जताई है।

जबालिया शरणार्थी शिविर पर हमला : इजराइली हमलों के बाद, जबालिया में स्थिति भयानक स्तर पर गंभीर हो गई है। इजराइली लड़ाकू विमानों ने ताजा हमले में एक बहुमंजिला अपार्टमेंट ब्लॉक पर बमबारी ने न सिर्फ 22 लोगों की जान ले ली है, बल्कि कम से कम 30 लोगों को घायल भी किया है, और आशंका है कि मलबे के नीचे अभी भी कई लोग फंसे हो सकते हैं। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, हमले के बाद स्थिति भयावह है, और अस्पतालों में भर्ती घायलों की हालत काफी गंभीर है। ज्यादातर घायलों को कमाल अदवान अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, लेकिन संसाधनों की कमी से पहले ही गाजा पट्टी के अस्पतल जूझ रहे हैं। इजराइल की तरफ से इस अस्पताल को भी खाली करने का आदेश दिया गया है, हालांकि अभी भी डॉक्टर आपातकालीन विभाग में गंभीर मरीजों का इलाज कर रहे हैं। लेकिन, आशंका है कि कभी भी इजराइली सैनिक अस्पताल में दाखिल हो सकते हैं।

गाजा में इजराइली हमलों से स्थिति भयावह : इजराइली हमले जबालिया से आगे तक भी की गई है। गाजा शहर में एक और हवाई हमले में तीन लोगों की मौत हो गई है। वहीं, इजराइली सेना उत्तरी गाजा के निवासियों को मानवीय क्षेत्रों में जाने का आदेश दिया है, जिसका कई फिलिस्तीनियों ने विरोध किया है, जिन्हें डर है कि गाजा पट्टी का कोई भी हिस्सा उनके लिए सुरक्षित नहीं रह गया है। वहीं, गाजा में अभी भी हमास ने हमले बंद नहीं किए हैं और हमास की सशस्त्र शाखा, कस्साम ब्रिगेड ने जबालिया में विस्फोटक उपकरण से इजराइली सैनिकों को निशाना बनाने की जिम्मेदारी ली है, जिसमें इज़रायली सैनिकों के हताहत होने की रिपोर्ट है। हालांकि, इस दावे के बारे में फिलहाल पूरी जानकारी अभी भी कम ही है। दूसरी तरफ, विश्व खाद्य कार्यक्रम ने हजारों फिलिस्तीनी परिवारों के लिए खाद्य सुरक्षा पर पड़ने वाले भयावह प्रभावों के बारे में भी चिंता जताई है। 1 अक्टूबर से उत्तरी गाजा में खाद्य सहायता आपूर्ति बंद होने और उसके बाद फुड सप्लाई बंद से स्थिति भयानक हो चुकी है और लोग खाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

हथियार डालने के लिए तैयार नहीं हमास : एमएसएफ समेत इंटरनेशनल कम्युनिटी ने उत्तरी गाजा से दक्षिणी गाजा में निवासियों को जबरन भेजने की इजराइली नीति की आलोचना की है, जिसमें आवाजाही पर प्रतिबंधों और आवश्यक सेवाएं प्रदान करने में बढ़ती कठिनाइयों पर प्रकाश डाला गया है। हमास ने इजराइल की कार्रवाई की निंदा करते हुए इसे नरसंहार बताया है, साथ ही आरोप लगाया है, कि यह फिलिस्तीनी लोगों को उनके लचीलेपन के लिए दंडित करने का प्रयास है, इस रुख को संयुक्त राज्य अमेरिका से समर्थन के दावों द्वारा समर्थित किया गया है। हमास के मुताबिक, इजराइल की रणनीति हमास के खिलाफ सैन्य अभियानों की आड़ में नागरिकों को निशाना बनाती है। 7 अक्टूबर, 2023 को हमास के नेतृत्व में हुए हमले के बाद इजराइली युद्ध गाजा में तबाही मचा रहा है, जिससे मानव जीवन और बुनियादी ढांचे पर असर बढ़ रहा है। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार इजराइली हमलों की वजह से 42,175 मौतें और 98,336 घायल हुए हैं, जो इस संघर्ष के कारण फिलिस्तीनी लोगों पर पड़ने वाले गंभीर मानवीय नुकसान को दिखाता है। गाजा में चल रहा हमला एक गहराते संकट का उदाहरण है जिसमें बड़ी संख्या में लोगों की जान जा रही है, और भयानक स्तर पर विनाश हो रहा है, जिससे मानवीय तबाही बढ़ गई है, लेकिन अभी तक युद्धविराम के कोई संकेत नहीं मिल रहे हैं।

गाजा में सहायता पिछले कई महीनों में सबसे निचले स्तर पर : संयुक्त राष्ट्र

वाशिंगटन, एजेंसी। पिछले लगभग एक साल से इजरायली हमले झेल रहे गाजा में खाद्य संकट चरम पर पहुंच रहा है। गाजा में संयुक्त राष्ट्र की ओर से पहुंचाई जाने वाली सहायता और खाद्य सामग्री कई महीनों में सबसे निचले स्तर पर है। सहायता आपूर्ति की कमी के कारण इस महीने गाजा में किसी को भी खाद्य सामग्री नहीं मिली है। यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र के एक प्रवक्ता ने बयान जारी कर दी।

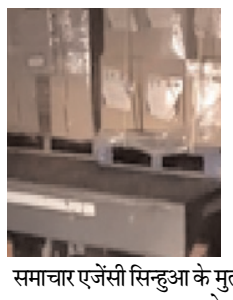

समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक संयुक्त राष्ट्र महासचिव के उप प्रवक्ता फरहान हक ने कहा कि विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) की रिपोर्ट के अनुसार उत्तरी गाजा में महत्वपूर्ण सहायता लाइनें कट गई हैं। उन्होंने इस बात की जानकारी देते हुए कहा, संघर्ष झेल रहे गाजा में 1 अक्टूबर के बाद से कोई खाद्य सहायता नहीं पहुंची है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि उत्तरी गाजा में मुख्य प्रवेश द्वार बंद कर दिए गए हैं और यदि संघर्ष जारी रहा तो उन तक पहुंचना संभव नहीं होगा। उन्होंने कहा कि डब्ल्यूएफपी ने गाजा के उत्तरी हिस्से में अपने पास बची-खुची हुए खाद्य सामग्री को साझेदारों और नए विस्थापित परिवारों को आश्रय देने वाले रसोईघरों में वितरित कर दिया है। लेकिन, यह खाद्य सामग्री बमुश्किल दो सप्ताह चलेगी। इलाके में पहले से चल रहे कई रसोईघर और बेकरी को बंद करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। यदि संघर्ष इसी पैमाने पर जारी रहा तो अन्य को भी बंद होने का खतरा है। इसके बाद उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, दक्षिण गाजा में भी स्थिति बहुत खराब है। खाद्य सामग्री का वितरण नहीं हो रहा है और बेकरियों को गेहूं का आटा जुटाने में संघर्ष करना पड़ रहा है, जिससे उन्हें किसी भी दिन बंद होने का खतरा है। हक ने कहा कि चुनौतियों के बावजूद, मानवीय संगठन अपनी पूरी क्षमता से काम कर रहे हैं। इसमें यूएनआरडब्ल्यूए, फिलिस्तीनियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत एजेंसी, और गैर-सरकारी संगठन साझेदार, निर्धारित आश्रय स्थलों में और उसके बाहर रोटी, पका हुआ भोजन साथ ही आटा वितरित कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (ओसीएचए) के कर्मियों ने गुरुवार को डेर अल बलाह में अल रुफैदा के स्कूल में बनाए गए आश्रय स्थल का दौरा किया, जहां एक इजरायली हवाई हमले में महिलाओं और बच्चों सहित कई लोग मारे गए थे।

ब्राजील में शक्तिशाली तूफान ने बरपाया कहर, सात लोगों की मौत व साओ पाउलो में 14 लाख घरों की बिजली गुल

ब्राज़िलिया, एजेंसी। ब्राजील के साओ पाउलो में आए एक संक्षिप्त लेकिन शक्तिशाली तूफान के कारण कम से कम सात लोगों की मौत हो गई, जबकि दक्षिण अमेरिका के इस सबसे बड़े महानगर में शनिवार को लगभग 14 लाख घरों की बिजली गुल हो गई। साओ पाउलो के अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार रात 67 मील (108 किलोमीटर) प्रति घंटे की रफ्तार से आए तूफान के कारण बिजली पारेषण लाइन प्रभावित हुई और बड़ी संख्या में पेड़ उखड़ गए, जिसके कारण कुछ हिस्सों में गंभीर क्षति हुई।

राज्य सरकार के अनुसार, तूफान के कारण कई हवाई अड्डों को भी बंद करना पड़ा और कई क्षेत्रों में पेयजल सेवा भी बाधित हुई। अधिकारियों ने बताया कि एक व्यक्ति की मौत उस वक्त हुई जब एक पेड़ उखड़कर एक दुकान पर गिर गया। उन्होंने बताया कि इस तूफान के कारण साओ पाउलो के आसपास के क्षेत्रों में कम से कम छह अन्य लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों को उम्मीद थी कि वे तूफान समाप्त होने के बाद के कुछ घंटों के भीतर बिजली पारेषण बहाल कर लेंगे, लेकिन लोग शनिवार को भी अंधेरे का दंश झेलते रहे, इतना ही नहीं संबंधित अधिकारी स्थानीय निवासियों से पानी की सीमित खपत का आग्रह करते भी नजर आए। इस महानगरीय क्षेत्र में कम से कम दो करोड़ 10 लाख रहते हैं।

पाकिस्तान जन्म और मृत्यु पंजीकरण में भी फिसड्डी, दुनिया का सबसे ज्यादा अपंजीकृत बच्चों वाला देश बना

इस्लामाबाद, एजेंसी। नागरिक पहचान प्रणाली किसी भी नागरिक और राज्य दोनों के लिए बेहद जरूरी है, खासकर जब सरकार को लोगों को सेवाएं देनी होती हैं। एक नागरिक की पहचान का सफर जन्म प्रमाण पत्र से शुरू होता है और मृत्यु प्रमाण पत्र पर जाकर खत्म होता है। लेकिन पाकिस्तान में यह बुनियादी पहचान प्रणाली ज्यादातर लोगों तक पहुंची ही नहीं है। यूनिसेफ की 2023 की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान में 60 प्रतिशत बच्चों का जन्म पांच साल की उम्र तक पंजीकृत नहीं होता। इसी वजह से पाकिस्तान दुनिया का सबसे ज्यादा अपंजीकृत बच्चों वाला देश बन गया है। करीब 6 करोड़ बच्चे पाकिस्तान में अभी भी पंजीकृत नहीं हैं। इस कारण उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं और बाल श्रम व बाल विवाह से बचाव जैसी सुविधाएं नहीं मिल पातीं। पंजीकरण में कई दिक्कतें हैं, जिन्हें सुलझाने की सख्त जरूरत है। पाकिस्तान में जन्म और मृत्यु पंजीकरण के लिए कुछ प्रणालियां मौजूद हैं, लेकिन ये पूरी तरह लागू नहीं हो पातीं। हर प्रांत के अपने अलग नियम हैं। जैसे पंजाब में पंजाब लोकल गवर्नमेंट (जन्म और मृत्यु पंजीकरण) नियम 2021 लागू है। जन्म प्रमाण पत्र पाने की प्रक्रिया बेहद जटिल और समय लेने वाली है। इसके लिए उर्दू और अंग्रेजी में फॉर्म भरना पड़ता है, शपथ पत्र बनवाना होता है, यूनियन काउंसिल के चेयरमैन को आवेदन करना होता है, और अस्पताल से जन्म रिपोर्ट लेनी होती है। माता-पिता और दादा का सीएनआईसी (कंप्यूटराइज्ड राष्ट्रीय पहचान पत्र) भी जमा करना पड़ता है

और 200 रुपये की फीस भी चुकानी पड़ती है। अगर बच्चा घर पर पैदा हुआ है, तो मिडवाइफ के सीएनआईसी और सर्टिफिकेट की भी जरूरत पड़ती है, साथ ही दो गवाहों के सीएनआईसी भी जमा करने होते हैं। एनएडीआरए (नेशनल डेटाबेस और पंजीकरण प्राधिकरण) ने एक नागरिक पंजीकरण प्रबंधन प्रणाली लागू की है, जिससे जन्म, मृत्यु, विवाह और तलाक का पंजीकरण हो सके। लेकिन जागरूकता की कमी, नौकरशाही की दिक्कतें और ग्रामीण इलाकों में पंजीकरण केंद्रों की कमी के कारण यह सिस्टम पूरी तरह सफल नहीं हो पा रहा है। पाकिस्तान में पंजीकरण प्रणाली में कई बड़ी बाधाएं हैं। ग्रामीण इलाकों के लोग नहीं जानते कि जन्म पंजीकरण उनके बच्चों के लिए कितना जरूरी है। यहां पंजीकरण की प्रक्रिया काफी जटिल और लंबी होती है, जिसमें कई दस्तावेज जमा करने पड़ते हैं। गरीबी के कारण कई परिवार पंजीकरण शुल्क नहीं चुका पाते। इसके अलावा, पारंपरिक मान्यताओं और पिछड़ेपन के चलते भी लोग पंजीकरण नहीं कराते। मृत्यु प्रमाण पत्र पाना भी बेहद कठिन है। लगभग 50 प्रतिशत मौतें पाकिस्तान में पंजीकृत नहीं होतीं और मरने वालों के सीएनआईसी भी रद्द नहीं किए जाते। इस कारण फर्जी पेंशनधारक और नकली मतदाताओं की संख्या बढ़ रही है। एनएडीआरए को भी कई समस्याओं का सामना करना पड़ा है।

पाकिस्तान में 16 अक्टूबर तक पूर्ण लॉकडाउन, न विवाह समारोह होगा और न ही कोई पार्टी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में आगामी शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (एससीओ) शिखर सम्मेलन को ध्यान में रखते हुए सरकार ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। इस्लामाबाद और रावलपिंडी में 12 से 16 अक्टूबर तक लॉकडाउन लागू रहेगा, जिसके तहत विवाह हॉल, कैफे, रेस्टोरेंट, और स्नूकर क्लबों को बंद रखने का आदेश दिया गया है। इस दौरान कोई सार्वजनिक आयोजन, न तो विवाह समारोह होगा और न ही कोई पार्टी या अन्य सार्वजनिक कार्यक्रम की अनुमति होगी। यह सख्त कदम एससीओ सम्मेलन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है, जिसमें भारतीय विदेश मंत्री के साथ चीनी प्रधानमंत्री ली कियांग और अन्य राष्ट्राध्यक्ष भाग लेने वाले हैं। सम्मेलन 16 और 17 अक्टूबर को इस्लामाबाद में होगा। सेना संभालेगी सुरक्षा की जिम्मेदारी पाकिस्तान की सरकार ने सेना पर पूरा भरोसा जताते हुए सुरक्षा की जिम्मेदारी सेना को सौंप दी है। स्थानीय पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों को सीधे सैन्य अधिकारियों के अधीन काम करने का

निर्देश दिया गया है। इस्लामाबाद और रावलपिंडी में 10,000 से अधिक सैनिक और कमांडो तैनात किए गए हैं, ताकि सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा सकें।

लॉकडाउन के दौरान कड़ी निगरानी : सुरक्षा के मद्देनजर 14 और 16 अक्टूबर को सार्वजनिक अवकाश की घोषणा भी की गई है। व्यापारियों और होटल मालिकों को नोटिस भेजकर निर्देश दिया गया है कि वे इस अवधि के दौरान किसी भी बाहरी व्यक्ति को अपने प्रतिष्ठानों में न ठहरने दें। उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। एससीओ सम्मेलन की तैयारी और पाकिस्तान की चिंता एससीओ सम्मेलन में चीन, रूस, भारत, पाकिस्तान और मध्य एशिया के कई महत्वपूर्ण देश शामिल होंगे। यह सम्मेलन एशिया के आर्थिक और सुरक्षा मामलों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। हाल के दिनों में पाकिस्तान में बढ़ती आतंकवादी घटनाओं और इमरान खान के समर्थकों द्वारा किए जा रहे विरोध प्रदर्शनों ने सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं, जिसके चलते पाकिस्तान ने दो प्रमुख शहरों को सेना के हवाले कर दिया है। पीटीआई के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद मुराद सईद ने चेतावनी दी, अगर आपको शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) सम्मेलन की इतनी चिंता थी तो आपको संवैधानिक संशोधनों में हेराफेरी करने में व्यस्त नहीं होना चाहिए था... सड़कें खोदो, कंटेनर रखो लेकिन हम पैदल मार्च करेंगे। अब तक तो आपको पता चल ही गया होगा कि बाधाएं हमें रोक नहीं सकतीं। अब जो लोग बाहर निकलेंगे, उन्हें हम नहीं रोक पाएंगे। इमरान खान की सेहत के बारे में तुरंत खबर दीजिए या फिर डी-चौक पर मिलते हैं।

कोख में मरे बच्चों के लिए सर्टिफिकेट जारी कर रहा ब्रिटेन, अब तक 50 हजार से अधिक माता-पिता ने कराया पंजीकरण

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन ने हाल ही में एक नई पहल के तहत बेबी लॉस सर्टिफिकेट जारी करना शुरू किया है, जिसका उद्देश्य उन माता-पिता को सांत्वना देना है, जिन्होंने गर्भावस्था के दौरान अपने बच्चों को खो दिया। अब तक 50,000 से अधिक माता-पिता इस सर्टिफिकेट के लिए आवेदन कर चुके हैं। यह पहल उन परिवारों की भावनात्मक पीड़ा को कम करने के लिए शुरू की गई है, जो गर्भपात के बाद अपने बच्चों को भुला नहीं पाते और उनकी स्मृति को संजोकर रखना चाहते हैं। इस योजना के माध्यम से ऐसे बच्चों को औपचारिक मान्यता दी जा रही है, जिन्हें पहले किसी तरह के पंजीकरण में शामिल नहीं किया जाता था। मिसकैरेज एसोसिएशन की मुख्य कार्यकारी, विक्की रॉबिन्सन के अनुसार, यह पहल उन माता-पिता के दर्द को साझा करने का एक तरीका है, जिन्होंने अपने बच्चे को खोया है। सर्टिफिकेट के माध्यम से माता-पिता को उनके बच्चे की यादें सहेजने का एक तरीका मिल रहा है, जिससे उन्हें भावनात्मक संतुलन बनाए रखने में मदद मिल सकती है। क्यों पड़ी बेबी लॉस सर्टिफिकेट की जरूरत? पहले ऐसे बच्चों का कोई औपचारिक रजिस्ट्रेशन नहीं होता था, जिससे माता-पिता को लगता था कि उनके बच्चे को नजरअंदाज किया जा रहा है। जॉर्ज एलियट हॉस्पिटल की मिडवाइफ सामंथा कॉलिंग, जिन्होंने कई वर्षों तक ऐसे परिवारों के साथ काम किया है, ने कहा, माता-पिता अस्पताल से जाते वक्त अपने बच्चे की कुछ यादें अपने साथ रखना चाहते थे, लेकिन उनके पास कुछ भी नहीं होता था। अब इस सर्टिफिकेट से उन्हें मान्यता मिल रही है कि वे एक बच्चे के माता-पिता हैं, भले ही वह बच्चा दुनिया में नहीं आया। कैसे करें बेबी लॉस सर्टिफिकेट के लिए आवेदन? इस सर्टिफिकेट के लिए वे माता-पिता आवेदन कर सकते हैं, जिन्होंने गर्भावस्था के 28 हफ्ते से पहले अपने बच्चे को खो दिया हो। शुरुआत में यह योजना 24 हफ्ते तक के बच्चों के लिए थी, लेकिन अब इसे बढ़ाकर 28 हफ्ते कर दिया गया है। सर्टिफिकेट के लिए आवेदन करने वाले माता-पिता ब्रिटेन के निवासी होने चाहिए और उनकी उम्र कम से कम 16 वर्ष होनी चाहिए। सरोगेट माताएं भी इसके लिए आवेदन कर सकती हैं। माताओं के लिए भावनात्मक राहत यह योजना माता-पिता के दर्द को कम करने और उनके बच्चे को मान्यता देने का एक प्रयास है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस सर्टिफिकेट से उन परिवारों को सांत्वना मिलेगी, जो गर्भावस्था के दौरान अपने बच्चे को खो चुके हैं और उनके पास उस बच्चे की यादों को सहेजने का कोई तरीका नहीं था। अब यह पहल उन्हें मानसिक रूप से शांति देगी और उन्हें यह एहसास दिलाएगी कि उनका बच्चा उनके जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा था।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव- कमला हैरिस ने जारी किया मेडिकल रिपोर्ट

वाशिंगटन, एजेंसी। डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार उप-राष्ट्रपति कमला हैरिस ने शनिवार को अपने डॉक्टर का एक पत्र जारी किया है, जिसमें कहा गया है, कि उनकी सेहत अच्छी है और वो देश की सर्वोच्च पद के लिए फिट हैं। यह पत्र उन्होंने अपने समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप के साथ तुलना करने की कोशिश में जारी किया है। व्हाइट हाउस की तरफ से जारी एक प्रेस रिलीज में, उपराष्ट्रपति के डॉक्टर जोशुआ सिमंस ने कहा, कि अप्रैल में कमला हैरिस की सबसे लेटेस्ट मेडिकल टेस्ट सामान्य थी, कि वह व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद एक सक्रिय जीवनशैली और बहुत स्वस्थ आहार ले रही हैं, मौसमी एलर्जी और छिटपुट पित्ती से पीड़ित हैं, वो तंबाकू का सेवन नहीं करती हैं और शराब भी सीमित मात्रा में पीती हैं। कमला हैरिस ने जारी किया मेडिकल रिपोर्ट डॉक्टर ने लिखा है, कि उनके पास राष्ट्रपति पद के कर्तव्यों को सफलतापूर्वक निभाने के लिए आवश्यक शारीरिक और मानसिक लचीलापन है, जिसमें मुख्य कार्यकारी, राज्य प्रमुख और कमांडर इन चीफ जैसे पद शामिल हैं। 59 साल की कमला हैरिस व्हाइट हाउस के लिए रिपब्लिकन पार्टी के डोनाल्ड ट्रंप (78 साल) के खिलाफ चुनाव लड़ रही हैं। कमला हैरिस के एक सहयोगी के अनुसार, उन्होंने शनिवार को अपनी मेडिकल रिपोर्ट सार्वजनिक की, ताकि 78 साल के डोनाल्ड ट्रंप को प्रेशर में लाया जा सके। कमला हैरिस ने कहा, कि विस्तृत चिकित्सा रिपोर्ट प्रदान करने में ट्रंप की अनिच्छा उनकी पारदर्शिता की कमी का लेटेस्ट उदाहरण है। कमला हैरिस ने उत्तरी कैरोलिना के लिए विमान में चढ़ने से पहले संवाददाताओं से कहा, मुझे

लगता है, कि यह स्पष्ट है कि कम से कम उनकी टीम नहीं चाहती कि अमेरिकी लोग उनके बारे में सब कुछ देखें। हालांकि, स्टीवन चेउंग, जो डोनाल्ड ट्रंप के चुनाव अभियान के कम्युनिकेशन डायरेक्टर हैं, उन्होंने एक बयान में कहा है, कि ट्रंप ने स्वेच्छा से अपने निजी डॉक्टर से अपडेट जारी किए हैं, साथ ही मेडिकल डॉक्टर रोनी जैक्सन की विस्तृत रिपोर्ट भी जारी की है, जिन्होंने पहली हत्या के प्रयास के बाद उनका इलाज किया था। उन्होंने कहा, कि सभी ने निष्कर्ष निकाला है कि वह कमांडर इन चीफ बनने के लिए एकदम सही और उत्कृष्ट स्वास्थ्य में हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में उम्र का खेल हैरिस अभियान पूर्व राष्ट्रपति की उम्र को उजागर करने के लिए उत्सुक है क्योंकि वह दौड़ में सबसे उम्रदराज उम्मीदवार बन गए हैं। 81 वर्षीय राष्ट्रपति जो बिडेन ने ट्रम्प के खिलाफ खराब बहस के बाद डेमोक्रेटिक मानक वाहक के रूप में पद छोड़ दिया। एक कड़ी दौड़ में बंद। हैरिस के अभियान को उम्मीद है कि ट्रम्प की अधिक उम्र और भटकने की प्रवृत्ति के साथ उनकी तुलनात्मक युवा और मानसिक तीक्ष्णता की तुलना, साथ ही दोनों के बीच पारदर्शिता में अंतर, अनिर्णीत मतदाताओं को यह समझाने में मदद करेगा कि वह कार्यालय के लिए अधिक उपयुक्त हैं। व्हाइट हाउस के एक डॉक्टर ने 2018 में कहा था कि जब ट्रम्प कार्यालय में थे, तब उनका स्वास्थ्य कुल मिलाकर बहुत अच्छा था, लेकिन उन्हें अपना वजन कम करने और दैनिक व्यायाम शुरू करने की आवश्यकता थी। कमला हैरिस का चुनाव अभियान, पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप की उम्र को पॉलिटिकल गेम में लाना चाहता है और लोगों के सामने ये बहस शुरू करवाना चाहता है, कि डोनाल्ड ट्रंप काफी उम्रदराज उम्मीदवार हैं। कमला हैरिस की टीम, डोनाल्ड ट्रंप को उसी तरह से घेरना चाहती है, जैसा ट्रंप की टीम ने जो बाइडेन के खिलाफ आजमाया था। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में काफी कड़ा मुकाबला चल रहा है और दोनों ही उम्मीदवार दिखाना चाहते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मुंह के कैंसर के सबसे अधिक मामले भारत में

नई दिल्ली। दक्षिण एशियाई देशों में मुंह के कैंसर के सबसे अधिक मामले भारत में दर्ज किए जा रहे हैं। यह खुलासा हुआ है एक हालिया अध्ययन में। इसका प्रमुख कारण बिना धुएं वाले तंबाकू उत्पादों और सुपारी का बढ़ता उपयोग है। 2022 में विश्वभर में 1,20,200 ओरल कैंसर के मामलों में से 83,400 मामले अकेले भारत में पाए गए। यह आंकड़े दर्शाते हैं कि तंबाकू युक्त पान मसाला, गुटखा, खैनी और सुपारी के सेवन से मुंह का कैंसर तेजी से फैल रहा है। अध्ययन के अनुसार, महिलाओं में मुख कैंसर के 30प्रतिशत मामले सुपारी के सेवन से, जबकि 28 प्रतिशत मामले तंबाकू वाले पान मसाले से जुड़े पाए गए। वहीं, गुटखा और खैनी के कारण क्रमशः 21प्रतिशत और 21प्रतिशत मामले सामने आए। पुरुषों में खैनी के सेवन से 47प्रतिशत और गुटखा के सेवन से 43प्रतिशत मामले दर्ज किए गए, इसके बाद तंबाकू वाले पान मसाले (33प्रतिशत) और सुपारी (32प्रतिशत) का नंबर आता है। विशेषज्ञों का कहना है कि बिना धुएं वाले तंबाकू और सुपारी के सेवन से स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ते हैं, जिनमें मुंह का कैंसर प्रमुख है। दुनियाभर में 1,20,200 से अधिक ओरल कैंसर के मामले ऐसे थे जो बिना धुएं वाले तंबाकू और सुपारी के सेवन से हो सकते थे।

इंडिगो के दो विमानों को बम से उड़ाने की मिली धमकी, जांच शुरू

मुंबई। एयर इंडिया के बाद अब इंडिगो की दो फ्लाइट्स को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इन फ्लाइट्स की सुरक्षा जांच शुरू की गई है। पहली फ्लाइट मुंबई से जेद्दा जा रही थी, जिसका नंबर 6श्व56 है इसको बम से उड़ने की धमकी मिली। वहीं, दूसरी मुंबई से मस्कट जा रही फ्लाइट नंबर 6श्व1275 को भी धमकी दी गई है। दोनों फ्लाइट्स की सुरक्षा जांच शुरू कर दी गई है। वहीं इंडिगो प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए कहा है कि मुंबई से मस्कट जाने वाली फ्लाइट 6श्व 1275 को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। प्रोटोकॉल के मुताबिक फ्लाइट को एक अलग खाड़ी में ले जाया गया, और मानक संचालन प्रक्रिया का पालन करते हुए, अनिवार्य सुरक्षा जांच तुरंत शुरू की गई है। आगे इंडिगो प्रवक्ता ने कहा कि मुंबई से जेद्दा जा रही इंडिगो की दूसरी फ्लाइट नंबर 6श्व 56 को भी बम से उड़ाने की धमकी मिली है। प्रोटोकॉल के मुताबिक विमान को एक अलग जगह पर ले जाया गया और सुरक्षा जांच शुरू की गई। इससे पहले सुबह एयर इंडिया के एक फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है, जिसकी दिल्ली एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिग कराई गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इंडिगो का एक विमान को उड़ान भरने की अनुमति दे दी गई है। जल्द ही दोनों विमानों को उड़ान भरने की अनुमति मिल जाएगी। जानकारी में बताया कि तीन विमानों को बम की धमकी मिली थी।

दशहरा के बाद से दिल्ली की हवा हुई खराब, एक्यूआई 224 पर पहुंचा

-गिरने लगा तापमान, सुबह होने लगा हल्की ठंड का एहसास

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में तापमान गिरने लगा है और सुबह के वक्त हल्की ठंड का एहसास हो रहा है। वहीं, दूसरी तरफ हवा का स्तर भी अब बिगड़ने लगा है। दिल्ली में ठंड की शुरुआत से ही प्रदूषण का स्तर बढ़ने लगता है लेकिन अभी दशहरे के अगले दिन से दिल्ली की हवा की गुणवत्ता खराब स्थिति में पहुंच गई। दशहरा समारोह के दौरान दिल्ली के खुले मैदान में रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतलों का दहन किया गया। इसके बाद केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के बुलेटिन के मुताबिक 13 अक्तूबर को शाम चार बजे दिल्ली का 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 224 पर पहुंच गया। वायु गुणवत्ता आयोग (सीएक्यूएम) उप-समिति ने, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) और भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) ने वर्तमान वायु गुणवत्ता और मौसम पूर्वानुमान की समीक्षा की, जिसके मुताबिक दशहरा के बाद दिल्ली के वायु प्रदूषण में पहले से ही गिरावट शुरू हो गई है, जो शाम 5 बजे तक गिरकर 222 पर आ गई और आगे भी गिरावट की उम्मीद जताई जा रही है। आईएमडी आईआईटीएम का भी कहना है कि हवा की गुणवत्ता में सुधार होकर एक्यूआई मध्यम श्रेणी में पहुंच सकता है। आज यानी सोमवार सुबह 7 बजे के आसपास भी दिल्ली का औसत एक्यूआई खराब बना हुआ है। दिल्ली का एक्यूआई 222 मापा गया। वहीं, दिल्ली के आनंद विहार में एक्यूआई 324 यानी बहुत खराब श्रेणी में पहुंच गया।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांडर- बहराइच के फरार संदिग्ध ने सोशल मीडिया पर लिखा था, 'यार तेरा गैंगस्टर है जानी'

लखनऊ। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) के नेता बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में उत्तर प्रदेश के फरार संदिग्ध शिव कुमार गौतम ने शान दिखाने के मकसद से खुद को 'गैंगस्टर' बताते हुए सोशल मीडिया पर हाल में ही पोस्ट करना शुरू किया था। गौतम ने 24 जुलाई को इंस्टाग्राम पर अपनी फोटो साझा करते हुए लिखा था, 'यार तेरा गैंगस्टर है जानी।' फोटो में दिख रहा है कि वह मोटरसाइकिल पर सवार है। पोस्ट के बैकग्राउंड में एक हरियाणवी गाना बज रहा है। गौतम उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले के गंडारा गांव का रहने वाला है। स्थानीय लोगों और पुलिस ने कहा कि गांव में उसका कोई आपराधिक इतिहास नहीं है और वह महाराष्ट्र के पुणे शहर में कबाड़ की एक दुकान पर काम करता है। आठ जुलाई को गौतम ने एक पोस्ट किया था, जिसमें लिखा था, 'शरीफ बाप है, हम नहीं।' उसने 26 मई को एक वीडियो साझा किया था, जिसके बैकग्राउंड में 'केजीएफ' का संगीत और चर्चित डायलॉग 'ताकतवर लोग पॉवरफुल जगह से आते हैं...' बज रहा था। गौरतलब है कि 'केजीएफ' के लीड किरदार की मां ने मरने से पहले उससे वादा लिया था कि वह जिये जैसे भी, लेकिन मरेगा दुनिया का सबसे अमीर आदमी बनकर। दिलचस्प बात यह है कि इंस्टाग्राम पर गौतम को फॉलो करने वाले लोगों की संख्या में रातोंरात जबरदस्त इजाफा हुआ है। रविवार को साइट पर 299 लोग उसे फॉलो करते थे। सोमवार को उसके फॉलोअर की संख्या बढ़कर 504 हो गई।

प्रवासी श्रमिकों द्वारा भेजे जाने वाले धन में लगने वाला समय और लागत कम किया जाना चाहिय: जयराम रमेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने कहा कि प्रवासी मजदूरों को एक राज्य से दूसरे राज्य में अपने परिवारों को पैसा भेजने में लगने वाले समय और लागत में कमी लाने पर ध्यान दिया जाना चाहिए। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने विदेशों से पैसा भेजने में समय और लागत कम करने के संबंध में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास के बयान का स्वागत करते हुए यह बात कही। रमेश ने कहा, ''आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बहुत सही तरीके से धन प्रेषण की लागत और समय कम करने पर जोर दिया है। विदेशों में रहने वाले भारतीयों से हमारी अर्थव्यवस्था में इस वर्ष लगभग 124 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश होगा, जिससे वे सेवा निर्यात के बाद बाह्य वित्तपोषण का दूसरा सबसे बड़ा स्रोत बन जाएंगे।''

कांग्रेस नेता ने 'एक्स' पर लिखा, ''उसी समय यह भी याद किया जाना चाहिए कि 10 भारतीयों में से तीन किसी न किसी प्रकार से

आंतरिक प्रवासी हैं। इसलिए आंतरिक प्रेषण के समय और लागत को कम करने पर मुख्य रूप से ध्यान दिया जाना चाहिए जो एक राज्य में काम करने वाले प्रवासी मजदूरों द्वारा अपनी बचत की रकम को दूसरे राज्यों में रह रहे अपने परिवारों को भेजना शामिल है।'' उन्होंने कहा कि दुख की बात है कि आंतरिक प्रेषण पर सही तरीके से आंकड़े नहीं जुटाए गए। रमेश ने कहा कि कुछ साक्ष्यों से पता चलता है कि इस तरह के अंतरराज्यीय प्रेषण विदेश से प्रेषित इस तरह के धन का दसवां हिस्सा हो सकते हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि कुछ वर्ष पहले किए गए एक अध्ययन में अनुमान लगाया गया था कि केरल से अन्य राज्यों को भेजी जाने वाली धनराशि, दक्षिणी राज्य को अन्य देशों से प्राप्त होने वाली धनराशि का लगभग एक तिहाई है। उन्होंने कहा कि ऐसी आय का आधे से भी कम हिस्सा औपचारिक संस्थागत चैनलों के माध्यम से प्राप्त होता है। दास ने सोमवार को विदेश भेजे जाने वाले धन में लगने वाले समय और लागत को कम करने की वकालत की, जो भारत सहित विभिन्न विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए महत्वपूर्ण है। अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) द्वारा जारी विश्व प्रवासन रिपोर्ट 2024 के अनुसार, पिछले वर्ष भारत का धन प्रेषण अन्य सभी देशों से बढ़कर 111 अरब डॉलर हो गया। बैंक ऑफ इंग्लैंड के अनुमान के अनुसार, वैश्विक सीमा पार भुगतान का मूल्य 2027 तक 250 लाख करोड़ डॉलर से अधिक होने का अनुमान है। दास ने कहा कि सीमा पार श्रमिकों द्वारा भेजे जाने वाले धन की महत्वपूर्ण मात्रा, पूंजी के सकल प्रवाह का बढ़ता आकार और सीमा पार ई-कॉमर्स के बढ़ते महत्व ने इस वृद्धि में उत्प्रेरक का काम किया है।

प्रयागराज महाकुंभ में एससी-एसटी समाज से 71 लोग महामंडलेश्वर बनेंगे

नई दिल्ली। अगले साल प्रयागराज महाकुंभ में एससी-एसटी समाज से 71 लोग महामंडलेश्वर बनेंगे। महामंडलेश्वर की उपाधि जूना अखाड़ा देगा। इन सभी संतों ने दो से तीन साल पहले अखाड़े में संन्यास लिया था। महामंडलेश्वर बनने के बाद इन्हें अखाड़े के मठ-मंदिरों की जिम्मेदारी दी जाएगी।इसके पीछे मुख्य वजह धर्मांतरण रोकना है। सबसे ज्यादा ईसाई मिशनरी एससी-एसटी का धर्मांतरण करा रहे हैं। वहीं, बौद्ध धर्म भी तेजी से इस समाज में पैठ बना रहा है। इसे देखते हुए जूना अखाड़ा के संत मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, केरल, महाराष्ट्र और गुजरात पर फोकस कर रहे हैं। यहां आदिवासी-अनुसूचित जाति की आबादी अच्छी-खासी है। फिलहाल, तीन संप्रदायों के अखाड़े हैं, जिनमें महामंडलेश्वर का पद होता है। ये तीनों संप्रदाय अलग-अलग हैं। इनमें शैव (शिव को मानने वाले), वैष्णव संप्रदाय (विष्णु और उनके अवतारों को मानने वाले) और उदासीन संप्रदाय शामिल हैं। इसमें शैव संप्रदाय के सात अखाड़े हैं। वैष्णव और उदासीन संप्रदाय के तीन-तीन अखाड़े हैं। मान्यता प्राप्त 13 अखाड़ों के संत, महंत और महामंडलेश्वर को कुंभ के दौरान मेले में सुविधा और पेशवाई में निकलने का मौका मिलता है। हालांकि, उज्जैन 2016 में हुए कुंभ मेले के दौरान किन्नर अखाड़ा भी अस्तित्व में आया। लेकिन, अखाड़ा परिषद ने उसे मान्यता देने से मना कर दिया। बाद में किन्नर अखाड़ा श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा के हिस्से के रूप में शामिल किया गया। अलग मान्यता देने को लेकर विरोध चल रहा है।

पप्पू यादव ने दी लॉरेंस बिश्नोई को खुली चुनौती और कहा- 24 घंटे में इस दो टके का नेटवर्क खत्म कर दूंगा

पटना (एजेंसी)। निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को खुली चुनौती दी है। पप्पू यादव ने कहा है अगर कानून अनुमति दे तो 24 घंटे में लॉरेंस बिश्नोई जैसे दो टके के अपराधी के पूरे नेटवर्क को खत्म कर दूंगा। पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव ने एक्स पर लिखी अपनी पोस्ट में विवादित शब्दों का इस्तेमाल किया है। उन्होंने लिखा कि यह देश है या हिजड़ों की फौज। एक अपराधी जेल में बैठकर चुनौती दे रहा है, लोगों को मार रहा है, लेकिन सभी मूकदर्शक बने हुए हैं। पप्पू यादव ने कहा कि लॉरेंस बिश्नोई ने कभी मूसेवाला को मरवा दिया, कभी करणी सेना के मुखिया को मरवाया और अब एक उद्योगपति राजनेता को मरवा डाला।

पप्पू यादव ने लॉरेंस बिश्नोई को दो टके का अपराधी बताया है। उन्होंने इसी पोस्ट में गैंगस्टर को चुनौती देते हुए कहा कि अगर कानून इजाजत दे तो 24 घंटे में इस लॉरेंस बिश्नोई जैसे दो टके के अपराधी को पूरे नेटवर्क को खत्म कर दूंगा। इससे पहले

पप्पू यादव ने जो पोस्ट की थी, उसमें बाबा सिद्दीकी को बिहार का बेटा बताया था। दरअसल बाबा सिद्दीकी बिहार के ही रहने वाले थे और बाद में मुंबई जाकर अपनी राजनीति शुरू की थी। इसमें उन्होंने महाराष्ट्र में महाजंगलराज बताया था। पप्पू यादव ने लिखा था कि वाय श्रेणी की सिक्योरिटी सुरक्षा में सरकार समर्थक पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी जी की हत्या महाराष्ट्र में महाजंगलराज का शर्मनाक प्रमाण है। बिहार के बेटे बाबा सिद्दीकी की हत्या अत्यंत दुःखद है. भाजपा गठबंधन सरकार अपने दल के इतने रसूख वाले नेताओं की रक्षा न कर पा रही है तो अमलोगों का क्या होगा?

अगर हिम्मत है तो बाबा सिद्दीकी हत्याकांड के आरोपियों का एनकाउंटर करें

-शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने शिंदे सरकार पर बोला हमला

मुंबई (एजेंसी)। बाबा सिद्दीकी हत्याकांड से जुड़े मामले में शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने शिंदे सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि अगर हिम्मत है, तो बाबा सिद्दीकी पर जिन्होंने गोली चलाई, जो इस वारदात के सूत्रधार हैं, उनका एनकाउंटर कीजिए। अब सिंघमगिरी दिखाएं। अगर हिम्मत है और बाबा सिद्दीकी हत्याकांड के साजिशकर्ताओं का एनकाउंटर करें। बता दें कि एनसीपी नेता और पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की 12 अक्टूबर को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी जिसके बाद लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने हत्या की जिम्मेदारी ली थी, लेकिन मुंबई पुलिस अभी इस दावे की पुष्टि नहीं कर रही है। पुलिस ने 15 टीमें बनाकर कई एंगल से मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं, शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने भी राज्य सरकार पर गंभीप आरोप

लगाए हैं। राउत ने कहा कि मैंने पहले भी कहा था कि इस सरकार के आने के बाद मुंबई में गैंगवार और अंडरवर्ल्ड की ताकत बढ़ सकती है। इस सरकार को अंडरवर्ल्ड का भी समर्थन मिला हुआ है और वह अंडरवर्ल्ड गुजरात से चलाया जा रहा है। गुजरात में पांच हजार करोड़ रुपए की ड्रग्स जब्त की गई है। इसका मतलब है कि देश में 50 हजार करोड़ रुपए की ड्रग्स पहले ही वितरित की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि गुजरात की साबरमती जेल में बंद और गुजरात एटीएस की हिरासत में एक गैंगस्टर बाबा सिद्दीकी की हत्या की जिम्मेदारी लेता है। यह केंद्रीय गृह मंत्री के लिए एक चुनौती है जो गुजरात से हैं। अजित पवार को अमित शाह का इस्तीफा मांगना चाहिए। उन्होंने (सीएम शिंदे) अक्षय शिंदे जो बदलापुर यौन उत्पीड़न मामले में आरोपी है को गोली मारने के बाद खुद को सिंघम घोषित किया था। अब यहां सिंघमगिरी दिखाएं। अगर हिम्मत है और बाबा सिद्दीकी हत्याकांड के साजिशकर्ताओं का एनकाउंटर करें। बता दें बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस ने उन्हें भीड़भाड़ वाले स्थानों पर न जाने की सलाह दी है। उनके बांद्रा स्थित निवास गैलेक्सी अपार्टमेंट की सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है। सलमान खान के परिवार ने भी सलमान के चाहनेवालों से अपील की है कि वे अभी सलमान खान से मिलने न आएं। बता दें कि लोग सलमान की एक झलक पाने घंटों गैलेक्सी के बाहर खड़े रहते हैं।

जूनियर डॉक्टर्स का आमरण अनशन जारी, ममता सरकार ने बुलाई बैठक

-आईएमए ने किया आज 24 घंटे का देशव्यापी भूख हड़ताल का ऐलान

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के जूनियर डॉक्टरों का आमरण अनशन सोमवार, को जारी था और इसे इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) का समर्थन मिला हुआ है, जिसने 15 अक्टूबर को 24 घंटे की देशव्यापी भूख हड़ताल का ऐलान किया है। जूनियर डॉक्टर्स उस ट्रेनी डॉक्टर के लिए न्याय की मांग कर रहे हैं, जिसके साथ कोलकाता के आर.जी. कर अस्पताल में दुष्कर्म कर उसकी हत्या कर दी गई थी।

जूनियर डॉक्टर पीड़िता के लिए न्याय, स्वास्थ्य सचिव एनएस निगम को तत्काल हटाने, कार्यस्थल पर सुरक्षा और अन्य उपायों की मांग कर रहे हैं। उनकी अन्य मांगों में राज्य के सभी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों के लिए एक केंद्रीकृत रेफरल प्रणाली की स्थापना, कार्यस्थलों पर सीसीटीवी, ऑन-कॉल रूम और शौचालय के लिए जरुरी प्रावधान तय करने के लिए टास्क फोर्स का गठन शामिल है। 5 अक्टूबर से शुरू हुआ यह अनशन दो चरणों में करीब 50 दिनों तक चले काम बंद के बाद शुरू हुआ है।

मुख्य सचिव मनोज पंत ने डॉक्टरों के संयुक्त मंच को पत्र लिखकर 15 अक्टूबर यानी मंगलवार को प्रस्तावित प्रदर्शन वापस लेने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शन राज्य सरकार द्वारा उसी दिन आयोजित किए जाने वाले पूर्व घोषित पूजो

कार्निवल के साथ मेल खा रहा है। पंत ने मांगों पर चर्चा के लिए सोमवार को राज्य स्वास्थ्य विभाग मुख्यालय स्वास्थ्य भवन में संस्था के प्रतिनिधियों को बैठक के लिए आमंत्रित किया है।

एक ईमेल में पंत ने जूनियर डॉक्टरों को उनके स्वास्थ्य और कल्याण के हित में भूख हड़ताल समाप्त करने की सलाह दी है। ईमेल में कहा गहया है कि जूनियर डॉक्टरों की विभिन्न मांगों और उनकी चल रही भूख हड़ताल के संबंध में 15 अक्टूबर को शाम 4 बजे कोलकाता के रानी रश्मोनी रोड पर होने वाले कार्यक्रम के लिए आपके संगठन के आह्वान को संबोधित करने के लिए लिख रहा हूं। यह प्रस्तावित प्रदर्शन राज्य सरकार द्वारा आयोजित पूर्व घोषित पूजा कार्निवल के साथ मेल खाता है।

पंत ने कहा कि यह कार्निवल एक प्रमुख आयोजन है, जिसमें हजारों लोग शामिल होते हैं, साथ ही अंतर्राष्ट्रीय गणमान्य लोग भी मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत को देखने आते हैं। इस आयोजन के साथ होने वाला कोई भी प्रदर्शन, या कुछ तत्वों द्वारा इस आयोजन के दौरान व्यवधान उत्पन्न करने के लिए प्रदर्शन का दुरुपयोग, आगंतुकों के लिए महत्वपूर्ण सुरक्षा और संरक्षा संबंधी चिंताएं पैदा कर सकता है।

बहराइच हिंसा पर प्रियंका गांधी वाड्रा... जनता कानून अपने हाथ में नहीं ले

- उप मुख्यमंत्री मौर्य ने कहा, दोषियों के खिलाफ सख्त एक्शन होगा

लखनऊ (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने बहराइच हिंसा पर चिंता जताकर जनता से कानून अपने हाथ में नहीं लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि बहराइच में हो रही हिंसा और प्रशासन के निष्क्रिय होने की खबरें अत्यंत दुखद हैं।

बात दें कि बहराइच में प्रतिमा विसर्जन के जुलूस के दौरान हुई युवक की हत्या को लेकर बवाल बढ़ता जा रहा है। सोमवार सुबह जगह-जगह आक्रोशित भीड़ ने तोड़फोड़ कर आगजनी की है। पुलिस प्रशासन मामले को नियंत्रित करने में लगा हुआ है। प्रियंका गांधी ने कहा प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं राज्य प्रशासन से अपील करती हूं कि त्वरित एक्शन लेकर, हिंसा रोकें। दोषियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। वहीं यूपी की जनता से मेरी अपील है कि कृपया कानून अपने हाथ में न लें और शांति बनाए रखें। वहीं बहराइच में हुए बवाल पर कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव सत्यनारायण पटेल ने कहा जहां दंगा होता है, वहां जिला प्रशासन व योगी सरकार फेल होती है। राज धर्म का मतलब यह है कि हमारी प्रजा स्वतंत्र रहे, आर्नंदत रहे, संविधान और कानून का पालन हो और पालन कराया जाए। यूपी

की योगी सरकार हर मामले में विफल साबित हो रही है। कांग्रेस मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र में 16 अक्तूबर को संविधान बचाओ संकल्प सम्मेलन आयोजित कर रही है। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव इसी की तैयारी की समीक्षा करने पहुंचे हैं।

उधर, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि यूपी की शांति और सौहार्द बिगाड़ने की कोई भी साजिश सफल नहीं होगी। दंगाइयों को संरक्षण देने वाले फिर सक्रिय हो रहे हैं, लेकिन हमें सतर्क और सजग रहना होगा। दोषियों को कानून के दायरे में लाकर सख्त सजा दी जाएगी और पीड़ितों को पूरा न्याय मिलेगा। सभी नागरिकों से शांति और धैर्य बनाए रखने की अपील करता हूं।

हरियाणा कांग्रेस प्रभारी बाबरिया का इस्तीफा... खराब स्वास्थ्य का दिया हवाला

चंडीगढ़। हरियाणा कांग्रेस प्रभारी दीपक बाबरिया ने अपने खराब स्वास्थ्य का हवाला देकर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को इस्तीफा देने की पेशकश की है। उन्होंने कहा कि वे स्वास्थ्य समस्याओं की वजह से अब काम करने में असमर्थ हैं। बीते दिनों कांग्रेस नेता बाबरिया को खराब स्वास्थ्य की वजह से एम्स में भी भर्ती किया गया था। डॉक्टरों ने उन्हें स्वास्थ्य ठीक होने तक राजनीतिक गतिविधि में शामिल न होने का सुझाव दिया था। बता दें कि हाल ही में हुए हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को हार का मुंह देखना पड़ा था। हालांकि, शुरुआती रुझानों में कांग्रेस जीत की ओर अग्रसर थी, लेकिन बाद में भाजपा प्रदेश की सबसे बड़ी पार्टी बनाकर उभरी। कांग्रेस ने नतीजे पर हैरानी जताकर चुनाव आयोग पर भी सवाल उठाए थे।

जयशंकर होंगे एससीओ बैठक में शामिल, क्या कहता है पाकिस्तान मीडिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) बैठक में भाग लेने के लिए पाकिस्तान जा रहे हैं। बैठक 15-16 अक्टूबर को पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में होने वाली है। दशक बाद भारतीय विदेश मंत्री का यह पहला पाकिस्तान दौरा है जिसे लेकर पाकिस्तान मीडिया में कई खबरें चल रही हैं। वहां की मीडिया में कहा जा रहा है भारतीय विदेश मंत्री का पाकिस्तान आने का फैसला क्षेत्रीय देशों के साथ संबंधों को बढ़ावा देते हुए चीन के बढ़ते प्रभुत्व को संतुलित करने का एक प्रयास है।

पाकिस्तान के एक प्रमुख अखबार ने हाल ही में विदेश मंत्री के पाकिस्तान दौरे को लेकर दो अलग-अलग खबरें प्रकाशित की। एक खबर में विदेश मंत्रालय का बयान है जिसमें विदेश मंत्री के 15 अक्टूबर को पाकिस्तान जाने की पुष्टि की गई थी। अखबार ने लिखा कि भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि 15-16 अक्टूबर के बीच होने वाले एससीओ शिखर सम्मेलन के लिए भारत के विदेश मंत्री एक प्रतिनिधिमंडल के साथ पाकिस्तान का दौरा करेंगे।

अखबार ने लिखा कि करीब एक दशक में किसी भारतीय विदेश मंत्री का यह पहला विदेश दौरा है। पिछले साल मई में पाकिस्तान के तत्कालीन विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो एससीओ विदेश मंत्रियों की दो दिवसीय बैठक में हिस्सा लेने भारत आए थे। करीब 12 सालों में भारत का दौरा करने वाले वह पहले पाकिस्तानी विदेश मंत्री थे।

रिपोर्ट में कहा गया है कि एससीओ बैठक में भारत का शामिल होना एक नाजुक संतुलन बनाने की कोशिश है जो दिखाता है कि संगठन के अंदर चीन के बढ़ते प्रभाव को लेकर भारत सतर्क है और इसके खिलाफ क्षेत्रीय सुरक्षा सहयोग की जरूरत को समझता है। एससीओ की आर्थिक रणनीतियों में चुनिंदा रूप से शामिल होकर, भारत एक सूक्ष्म दृष्टिकोण अपना रहा है। इसका मकसद मध्य एशियाई देशों के साथ रचनात्मक संबंधों को बढ़ावा देते हुए चीनी प्रभुत्व को संतुलित करना है।

अखबार ने आगे लिखा कि पाकिस्तान में आयोजित बैठकों में हिस्सा लेने को लेकर भारत में हमेशा से एक हिचकचाहट रही है। ये नवंबर 2016 में 19वें सार्क शिखर सम्मेलन के बहिष्कार से शुरू हुई जिसकी मेजबानी पाकिस्तान को करनी थी। बहिष्कार के कारण गतिरोध पैदा हो गया, जिससे बैठक नहीं हो पाई क्योंकि सार्क चार्टर में यह अनिवार्य है कि शिखर सम्मेलन के लिए सभी सदस्य देशों का मौजूद होना जरूरी है। इसके विपरीत, एससीओ में ऐसा कोई प्रतिबंध नहीं है।

अखबार ने दूसरी खबर में विदेश मंत्री का शनिवार को दिया गया बयान छापा है जिसमें उन्होंने कहा कि पाकिस्तान दौरे में वह द्विपक्षीय रिश्तों पर कोई चर्चा नहीं करेंगे। जयशंकर ने नई दिल्ली में कहा कि संबंधों की प्रकृति को देखते हुए मीडिया की इसमें काफी रुचि होगी। जयशंकर ने कहा कि लेकिन मैं यह जरूर कहना चाहता हूं कि यह एक बहुपक्षीय कार्यक्रम होगा। मैं वहां भारत-पाकिस्तान संबंधों पर चर्चा करने नहीं जा रहा हूं। मैं वहां एससीओ का एक अच्छा सदस्य बनने जा रहा हूं। मैं एक विनम्र और सभ्य इंसान हूं और पाकिस्तान में वैसा ही व्यवहार करूंगा।

रिपोर्ट में कहा गया कि विदेश मंत्री पाकिस्तान आने का फैसला कर ये संकेत दे रहे हैं कि हम एससीओ को कम नहीं आंक रहें...जब तय हुआ कि बैठक पाकिस्तान में होगी तो हम इसमें हिस्सा लेंगे। जब बिलावल भुट्टो गए थे भारत, उन्होंने कश्मीर पर बात की थी, जयशंकर ने आतंकवाद का मुद्दा उठाया था, तब मीडिया को बड़ा मसाला मिला था। इस बार जयशंकर के पाकिस्तान आने से भी ऐसा ही होने वाला है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सहमति से बनाए शारीरिक सम्बंध रेप नहीं कोर्ट ने माना

बरेली कोर्ट ने रेप केस में युवक को बाइज्जत बरी किया

३ बच्चों की मां ने ३५साल की उम्र में साल २०१९ में रेप का केस दर्ज कराया था.

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

उ.प्र.-बरेली, झूठे मुकदमों में फंसे निर्दोष युवकों के लिए नजीर बन सकती है। अदालत ने दुष्कर्म मामले में बयान से मुकरने वाली युवती को उतने ही दिन जेल में रहने की सजा सुनाई है जितने दिन तक आरोपी युवक कैद में रहा। साथ ही उस पर पांच लाख ८८ हजार रुपये जुर्माना भी लगाया है जो निर्दोष को बतौर मुआवजा दिया जाएगा। कोर्ट ने सजा सुनाते हुए कड़ी टिप्पणी की है।

बरेली के कर्मचारी नगर की रहने वाली ३४ साल की महिला के तीन बच्चे हैं। आरोप है कि महिला के शिवम से संबंध थे और २०१६-२०१९ तक चले। इस पूरे मामले में महिला ने शिवम पर आरोप लगाया कि उसने शादी का झांसा देकर उसके साथ ३ साल तक दुष्कर्म किया। २०१९ में महिला ने प्रेमनगर थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई। मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस ने युवक को जेल भेज दिया।

अदालत ने कहा कि दुष्कर्म जैसे जघन्य अपराध में फंसाने के लिए युवती ने सुरक्षा के लिए बनाए गए कानून का दुरुपयोग किया। इस कानून के तहत आरोपी को आजीवन कारावास तक की सजा मिल सकती थी।

झूठे मुकदमे की वजह से अजय को जेल में १६५३ दिन (चार साल छह महीने और आठ दिन) बिताने पड़े। वह २०१९ से आठ अप्रैल, २०२४ तक जेल में रहा। जज ने आरोपी युवती को १६५३ दिनों तक कैद की सजा सुनाई है। यह पूरा मामला २०१९ का है। अजय कुमार पर आरोप लगा कि उन्होंने अपने साथ काम करने वाले सहयोगी की १५ साल की बहन का अपहरण कर रेप किया। नाबालिग ने पुलिस और कोर्ट को दिए बयान में बताया कि उसके साथ अजय ने दुष्कर्म किया। लड़की के झूठ की वजह से एक निर्दोष व्यक्ति को जीवन के बहुमूल्य साढ़े चार साल जेल में बिताने पड़े। झूठी गवाही के आधार पर युवक को उम्रकैद की सजा हो सकती थी। आरोपी को जेल में रहने का कलंक झेलना पड़ा।

फास्ट ट्रैक कोर्ट के जज ने क्या कहा?

पूरे मामले में स्पेशल जज फास्ट ट्रैक कोर्ट रवि कुमार दिवाकर का कहना है कि फेयर इन्वेस्टिगेशन न केवल वादी मुकदमा बल्कि अभियुक्त का भी मौलिक अधिकार है. न्यायालय पर वादी मुकदमा और अभियुक्तके अधिकारों की रक्षा करने की संपूर्ण जिम्मेदारी है. यदि वादी मुकदमा या पुलिस की ओर से अधिकारों का दुरुपयोग किया जाता है और अभियुक्तको गलत केस में फंसाया जाता है तो वादी मुकदमा एवं पुलिस को निश्चित रूप से दंडित करना चाहिए. प्रश्नगत मामले में पुलिस की ओर से निश्चित रूप से सत्य और निराधार आरोप पत्र दाखिल कर अधिकारों का दुरुपयोग किया गया है.

झूठे मुकदमे की वजह से अजय को जेल में १६५३ दिन (चार साल छह महीने और आठ दिन) बिताने पड़े। वह २०१९ से आठ अप्रैल, २०२४ तक जेल में रहा।

कोर्ट ने इस मामले में विवेचना करने वाले दरोगा, प्रेमनगर थाने के तत्कालीन इंस्पेक्टर और सर्किल के सीओ पर कार्रवाई के लिए एसएसपी को आदेश दिया है।

फैसला सुनाने वाले जज रवि कुमार दिवाकर की कोर्ट ने ३१अगस्त को सुनाया। कोर्ट ने कहा कि सहमति से बनाए गए शारीरिक संबंध रेप की श्रेणी में नहीं आते हैं।

साथ ही कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि तीन बच्चों की मां शादी के झांसे में कैसे आ सकती है। महिला बालिग है। और हिंदू धर्म में महिला का तलाक नहीं हुआ है और वह शादीशुदा है। बरेली, गाजियाबाद व मुरादाबाद के होटल में ले जाकर महिला को साथ रखा तो महिला पत्नी की तरह रही।

दो महीने बाद केस दर्ज कराने पर भी संदेह

घटना के एक साल दो माह बाद प्राथमिकी लिखाना भी संदेह कोर्ट ने कहा है कि सबसे ज्यादा संदेह यह पैदा करता है कि घटना के एक साल दो माह बाद मामले में प्राथमिकी क्यों लिखवाई गई जबकि, इस तरह की घटना में तत्काल प्राथमिकी लिखाई जानी चाहिए। कोर्ट ने कहा है कि इतने समय में बढ़-चढकर तहरीर लिखने का समय मिल जाता है। संभवता इसीलिए लिखाई गई। इसी के साथ कोर्ट ने टिप्पणी की है कि यदि कोई महिला घर से चार-पांच घंटे गायब रहती है तो परिवार वाले जरूर पूछते हैं कि इतनी देर कहां लगी? मगर इनके परिवार वालों ने नहीं पूछा? सबसे जरूरी कोर्ट में महिला यह भी नहीं बता पाई कि उसके साथ किन-किन नए लोगों ने दुष्कर्म किया। वीडियो की भी सत्यता नहीं मिली।

पुलिस की विवेचना पर उठे कई सवाल

बरेली पुलिस की विवेचना पर जुलाई माह में भी सवाल उठे। जब फर्जी तरह से धर्म परिवर्तन के मामले में कोर्ट ने दरोगा, थाना प्रभारी और सर्किल के सीओ पर कार्रवाई के आदेश दिए। अब प्रेमनगर थाने की पुलिस की विवेचना पर कोर्ट ने सवाल उठाए हैं। बरेली की अदालत में बरेली पुलिस प्रशासन की ओर से आरोपी की विवेचना में पुलिस तथ्यात्मक साक्ष्य जुटाये बगैर चार्जशीट लगा देती है।

मेडिकल में शरीर में कहीं खरोंच के निशान नहीं थे, घटना के समय पहने कपड़ों को वह धो चुकी थी। साइबर सेल ने वीडियो की जांच की तब पता चला कि वह उसके पति के मोबाइल फोन से अपलोड किया गया था, जो कि बाद में डिलीट भी कर दिया गया।

वीडियो में महिला उन दोनों युवकों का विरोध नहीं कर रही, बल्कि सहमति प्रतीत हो रही। अश्लील वीडियो आरोपित युवकों से नहीं बल्कि महिला के पति के मोबाइल फोन से प्राप्त हुआ। इन सभी तथ्यों का उल्लेख करते हुए कोर्ट ने कहा कि ऐसा प्रतीत हो रहा कि अन्य उद्देश्यों की पूर्ति के लिए मुकदमा कराया गया।

लखीमपुर विधायक को पीटने वाले ४ कार्यकर्ता भाजपा से बर्खास्त

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

लखीमपुर में सदर विधायक योगेश वर्मा को पीटने वाले अवधेश सिंह समेत चार भाजपा कार्यकर्ताओं को पार्टी से बाहर कर दिया गया है। योगेश वर्मा ने सोमवार को लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। उनके साथ ३७ विधायक भी थे। विधायक ने आरोपी वकीलों के खिलाफ कार्रवाई ना होने पर नाराजगी जताई।

सीएम योगी ने विधायक को कार्रवाई का भरोसा दिया। थोड़ी देर बाद भाजपा ने विधायक के साथ मारपीट करने वाले चारों कार्यकर्ताओं को पार्टी से निष्कासित कर दिया। इन सभी पर एफआईआर भी दर्ज की जाएगी।

विधायक योगेश वर्मा ने बताया, 'मैंने मुख्यमंत्री के सामने घटना की पूरी जानकारी दी। सीएम ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया। साथ ही मामले में दोषी पुलिस कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया है। योगीजी ने मेरी सुरक्षा बढ़ाने के भी निर्देश

मुख्यमंत्री बोले- अवधेश-पुष्पा समेत ४ आरोपियों के खिलाफ FIR दर्ज की जाए

विधानसभा अध्यक्ष से मिले विधायक

योगेश वर्मा के साथ करीब ३७ विधायकों ने सोमवार को विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना से मुलाकात की। विधायकों ने सरेआम एक विधायक की पिटाई होने और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई ना होने पर नाराजगी जताई। महाना ने उन्हें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी से मुलाकात कर अपनी बात रखने की सलाह दी।

योगेश वर्मा ने बताया कि विधानसभा अध्यक्ष ने सभी दोषी अधिकारियों के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस जारी करने का आश्वासन दिया है।

आरोपी कार्यकर्ता निष्कासित

भाजपा के प्रदेश महामंत्री गोविंद नारायण शुक्ला ने बताया, '९ अक्टूबर को लखीमपुर में सहकारी बैंक के चुनाव के दौरान पुष्पा सिंह, अवधेश सिंह, अनिल यादव और ज्योति शुक्ला ने पार्टी विधायक योगेश वर्मा के साथ मारपीट की थी। पार्टी ने चारों के कृत्य को घोर अनुशासनहीनता मानते हुए पार्टी से निष्कासित किया है।'

अवधेश सिंह
अध्यक्ष बार एसोसिएशन, लखीमपुर

पुष्पा सिंह
पूर्व ब्लॉक प्रमुख, बेहजम

अनिल यादव
जिला उपाध्यक्ष, भाजपा

ज्योति शुक्ला
पूर्व जिला संयोजक, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान